दैनिक
करंट क्राइम
www.currentcrime.com
सिर्फ सच...
दिल्ली व गाजियाबाद से एक साथ प्रकाशित
● नई दिल्ली। रविवार 08 मार्च -2026 ● वर्ष : 11 अंक : 74 पेज -09 ● RNI NO. DELHI/2015/65364 ● मूल्य : ₹3

हाउस टैक्स पर नगर निगम बोर्ड का बड़ा फैसला

77 से 92% तक राहत, पुराने मकानों को अतिरिक्त छूट

गाजियाबाद, करंट क्राइम : नगर निगम मुख्यालय में आयोजित बोर्ड बैठक में हाउस टैक्स को लेकर विस्तृत चर्चा हुई। बैठक में शहरवासियों को बड़ी राहत देते हुए 77 प्रतिशत से 92 प्रतिशत तक छूट देने का निर्णय लिया गया। महापौर सुनीता दयाल की अध्यक्षता में हुई बैठक में करदाताओं को विभिन्न श्रेणियों में अतिरिक्त छूट देने के प्रस्ताव को सदन ने पारित किया गया। बैठक में तय किया गया कि 10 वर्ष पुराने आवासीय भवनों को 25 प्रतिशत, 10 से 20 वर्ष पुराने भवनों को 32.5 प्रतिशत और 20 वर्ष से अधिक पुराने भवनों को 40 प्रतिशत की छूट दी जाएगी। इसके अलावा हाउस टैक्स का ऑनलाइन भुगतान करने वाले करदाताओं को 2 प्रतिशत व कचरा पृथक्करण करने वाले घरों को 10 प्रतिशत की अतिरिक्त छूट 1 अप्रैल से दी जाएगी। महापौर ने बताया कि समय पर कर जमा करने पर दी जाने वाली 20 प्रतिशत की छूट 31 मार्च 2026 तक जारी रहेगी और आवश्यकता पड़ने पर इसे आगे भी बढ़ाया जा सकता है। साथ ही निगम अब कवर्ड एरिया के बजाय कारपेट एरिया के आधार पर हाउस टैक्स के बिल जारी करेगा, जिससे करदाताओं को लगभग 20 प्रतिशत तक राहत मिलने की संभावना है। बोर्ड बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि हाउस टैक्स की बढ़ी हुई दरों पर पुनर्विचार के लिए प्रस्ताव शासन को भेजा जाएगा। महापौर सुनीता दयाल और नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक इस विषय पर शासन स्तर पर वार्ता करेंगे और जनप्रतिनिधियों के साथ लखनऊ जाकर चर्चा भी की जाएगी। सदन ने कहा कि उच्च न्यायालय के आदेश को ध्यान में रखते हुए शहर हित में यह निर्णय लिया गया है। करदाताओं से अपील की गई कि वे हाउस टैक्स जमा कर शहर के विकास में सहयोग करें।

बैठक में पार्षदों ने महापौर और नगर आयुक्त द्वारा करदाताओं को दी गई विशेष राहत के लिए आभार भी व्यक्त किया।

नगर आयुक्त ने रखी विस्तार से अपनी बातें

करंट क्राइम : नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक ने सदन को बताया कि गृहकर की दरों को सीधे कम करना संभव नहीं है क्योंकि यह मामला हाईकोर्ट के आदेश और शासन के निर्देशों से जुड़ा हुआ है। उन्होंने कहा कि नगर निगम केवल नियमों के दायरे में रहते हुए छूट का प्रावधान कर सकता है। बैठक में अधिकारियों की ओर से मकानों की उम्र के आधार पर छूट देने का प्रस्ताव रखा गया। इसके अनुसार 10 साल पुराने मकानों पर 25 प्रतिशत, 10 से 20 साल पुराने मकानों पर 32.5 प्रतिशत और 20 से 40 साल पुराने मकानों पर 40 प्रतिशत तक की छूट दी जाएगी। इस प्रस्ताव पर करीब 51 प्रतिशत पार्षदों ने सहमति जताई। छूट का लाभ लेने के लिए मकान मालिकों को रजिस्ट्री के कागजात, बिजली बिल या पहले जमा किए गए हाउस टैक्स की रसीद जैसे प्रमाण प्रस्तुत करने होंगे। मेयर सुनीता दयाल ने बताया कि कमर्शियल करदाताओं को इन छूटों का लाभ नहीं मिलेगा क्योंकि इसका प्रावधान एक्ट में नहीं है।

पार्षद राजीव शर्मा ने हाउस टैक्स की बिल्डिंग व्यवस्था पर उठाया सवाल

करंट क्राइम : नगर निगम की बैठक के दौरान निगम पार्षद राजीव शर्मा ने सवाल उठाते हुए आरोप लगाया कि निगम के कुछ अधिकारी सही तरीके से बिलिंग नहीं कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि उनके संज्ञान में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ, भाजपा के पूर्व कार्यालय और युवा मोर्चा के कार्यालय के हाउस टैक्स का मामला आया था, जिसे उन्होंने उठाया लेकिन अधिकारियों ने इसे गंभीरता से नहीं लिया।

पार्षद राजीव शर्मा ने उठाया वॉइस रिकॉर्डिंग और कैमरों का मुद्दा

करंट क्राइम : नगर निगम की शनिवार को बैठक शुरू हुई तो बैठक शुरू होने के कुछ देर बाद ही पार्षद राजीव शर्मा ने सदन में लगाए गए नए कैमरे और भवन की तारीफ की। तो उन्होंने कहा कि कहीं ऐसी साजिश तो नहीं है कि पार्षदों को फंसाया जाएगा। उन्होंने कहा कि यहां कैमरे लगाए गए हैं और ये वॉइस रिकॉर्डिंग भी हो रही है, अगर यह सब कुछ सही हो रहा है, तो इसे शहर में लाइव दिखाया जाए। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि जिस तरीके से उनके कुछ वीडियो के अंश को काट छांटकर सोशल मीडिया पर डाला जा रहा है, यह किस तरीके से बाहर गया है, इसकी भी जांच कराई जानी चाहिए।

पार्षद बिल्लू यादव ने बढ़े हुए हाउस टैक्स के विरोध में दिया इस्तीफा

करंट क्राइम : नगर निगम के पार्षद बिल्लू यादव ने बढ़े हुए हादस टैक्स की तुलना जजिया कानून से करते हुए चेतावनी दी कि इसके गंभीर राजनीतिक परिणाम हो सकते हैं। उन्होंने कहा कि जब पार्षद जनता के बीच जाएंगे तो लोग न उनकी सुनेंगे और न ही वोट देंगे। उन्होंने सदन में इस्तीफा देने की घोषणा भी की और अपना इस्तीफा दे दिया, हालांकि महापौर ने उसे स्वीकार नहीं किया है।

बैठक में देरी का उठा मुद्दा

करंट क्राइम : इंदिरापुरम क्षेत्र के पार्षद डॉ. अनिल तोमर ने बैठक की कार्यवाही में देरी का मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा कि बैठकों के लिए तय समय-सीमा निर्धारित होनी चाहिए ताकि विकास कार्य प्रभावित न हों, क्योंकि जनता सीधे अपने प्रतिनिधियों से सवाल करती है। पार्षद मनोज त्यागी ने आरोप लगाया कि जब सदन में बढ़ा हुआ हाउस टैक्स निरस्त हो गया था, तब भी नागरिकों को बढ़ी हुई दरों के बिल और संदेश भेजे गए। उन्होंने सवाल उठाया कि क्या नगर निगम के अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों के बीच समन्वय की कमी है, जिससे जनता में भ्रम की स्थिति पैदा हो रही है।

पार्षद हिमांशु शर्मा ने हाउस टैक्स बढ़ोत्तरी को काला कानून बताया

करंट क्राइम : टैक्ट के मामले को लेकर पार्षद हिमांशु शर्मा ने बताया है कि हाउस टैक्स बढ़ोत्तरी को काला कानून बताया गया है। उन्होने मांग कि है कि इसे वापस लिया जाए। उन्होंने कहा कि जनता ने उन्हें चुनकर भेजा है और हाउस टैक्स के मुद्दे पर जनता के बीच उन्हें भारी नाराजगी का सामना करना पड़ रहा है। हाउस टैक्स में अत्यधिक वृद्धि जनहित में उचित नहीं है। हमें जनता ने चुना है, अधिकारियों ने नहीं। इसलिए हमारी जिम्मेदारी है कि हम जनता की आवाज को सदन और शासन तक मजबूती से पहुंचाएं। माननीय सांसद, विधायक, मंत्री, महापौर और नगर आयुक्त को इस मामले में मध्यस्थता करते हुए हाउस टैक्स की दरों को कम करने पर विचार करना चाहिए, ताकि आम जनता को राहत मिल सके। यदि समय रहते इस विषय पर संतुलित निर्णय नहीं लिया गया, तो वर्ष 2027 के चुनाव में इसका राजनीतिक नुकसान भी उठाना पड़ सकता है।

पार्षद संजय सिंह ने कहा कि कार्यकारिणी की बैठक कम से कम दो महीने में एक बार हो

करंट क्राइम : नगर निगम की बैठक में इंदिरापुरम शिप्रा से पार्षद संजय सिंह ने कहा कि कार्यकारिणी की बैठक कम से कम दो महीने में एक बार जरूर होनी चाहिए। उन्होंने निगम की आय-व्यय व्यवस्था पर सवाल उठाते हुए कहा कि वसुंधरा जोन से 110 करोड़ रुपये की आय होती है, जबकि खर्च के नाम पर केवल 20 करोड़ ही लगाए जाते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि हाउस टैक्स को लेकर क्रेडिट की राजनीति चल रही थी, जिसमें मेयर, सांसद और मंत्री सभी का नाम सामने आया।

पार्षद विनील दत्त बोले महिला पार्षदों के लिए रिजर्व हो सीट

करंट क्राइम : पार्षद विनील दत्त ने नगर निगम की बैठक के दौरान महिला पार्षदों के लिए उनकी कुर्सियां रिजर्व रखने की सिफारिश की। उन्होंने महापौर से मांग की है कि महिला पार्षदों के लिए उनकी सीट रिजर्व रखी जाए ताकि उनको बैठने में किसी प्रकार की असुविधा ना हो।

नगर निगम की 1702 दुकानों के किराए में कमी, सदन ने समिति के निर्णय पर लगाई मोहर

करंट क्राइम : नगर निगम की 1702 दुकानों के किराए को लेकर गठित समिति के निर्णय पर शनिवार को नगर निगम के माननीय सदन ने मोहर लगा दी। इस निर्णय से शहर के व्यापारियों को बड़ी राहत मिली है। सदन ने व्यापारियों के हित में लिए गए फैसले के लिए महापौर सुनीता दयाल, नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक और समिति के सदस्यों का आभार जताया। समिति ने नगर निगम की 1605 दुकानों के किराए में लगभग 50 प्रतिशत तक कमी करने का निर्णय लिया है। इसके साथ ही रामानुज दयाल मार्केट डी ब्लॉक की 78 दुकानों और कवि नगर सी ब्लॉक मार्केट की 19 दुकानों को साक्ष्य प्रस्तुत होने के बाद हाउस टैक्स के दायरे में शामिल करने का फैसला किया गया है। इस तरह कुल 97 दुकानों को हाउस टैक्स के दायरे में लाया जाएगा। समिति में पार्षद भगवान अग्रवाल, मनोज त्यागी, अजय शर्मा, उदित मोहन, संजय सिंह के साथ अपर नगर आयुक्त जंग बहादुर यादव, अपर नगर आयुक्त अवनींद्र कुमार, सहायक नगर आयुक्त पल्लवी सिंह, मुख्य अभियंता एनके. चौधरी और डॉ. अनुज सिंह शामिल रहे। सदन में पार्षद राजीव शर्मा, प्रवीण चौधरी, शीतल और ओमप्रकाश सहित अन्य पार्षदों ने भी समिति के निर्णय का समर्थन किया। महापौर और नगर आयुक्त ने बताया कि पिछले करीब एक वर्ष से नगर निगम और व्यापारियों के बीच दुकानों के किराए को लेकर चर्चा चल रही थी। व्यापारियों की मांग और परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए समिति का गठन किया गया, जिसके बाद किराए में कमी का निर्णय लिया गया। इस फैसले का व्यापारियों और सदन के सदस्यों ने स्वागत किया।

प्रवीण चौधरी ने मेयर और नगरायुक्त का प्रकट किया आभार

गाजियाबाद, करंट क्राइम। नगर निगम गाजियाबाद में हाउस टैक्स को लेकर चल रही चचाओं के बीच पार्षद एवं नगर निगम कार्यकारिणी उपाध्यक्ष प्रवीण चौधरी ने नागरिकों को राहत देने से जुड़े फैसले की जानकारी दी है। उन्होंने बताया कि पार्षदों के बीच लंबे तर्क-वितर्क और व्यापक विचार-विमर्श के बाद हाउस टैक्स पर महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया है, जिसके तहत विभिन्न श्रेणियों को मिलाकर लगभग 77 प्रतिशत तक की छूट का प्रावधान किया गया है। प्रवीण चौधरी ने बताया कि इस निर्णय के अनुसार घर के क्षेत्रफल पर 20 प्रतिशत, समय पर टैक्स जमा करने पर 20 प्रतिशत, कूड़ा पृथक्करण करने पर 10 प्रतिशत तथा ऑनलाइन भुगतान करने पर 2 प्रतिशत तक की छूट दी जाएगी। इसके अतिरिक्त मकानों की आयु के आधार पर भी अलग-अलग छूट निर्धारित की गई है। उन्होंने बताया कि 10 वर्ष तक पुराने मकानों पर 25 प्रतिशत, 10 से 20 वर्ष पुराने मकानों पर 32.5 प्रतिशत तथा 20 वर्ष से अधिक पुराने मकानों पर 40 प्रतिशत तक की छूट दी जाएगी। प्रवीण चौधरी ने कहा कि विधायकों, सांसद और महापौर द्वारा बढ़ी हुई दरों को पुनर्विचार के लिए शासन को भेजा गया है, जिस पर भी सकारात्मक निर्णय की उम्मीद है। उन्होंने बताया कि फिलहाल बढ़ी हुई दरों पर ही निर्धारित छूट लागू की जाएगी, जिससे नागरिकों को काफी राहत मिलेगी। प्रवीण चौधरी ने इस निर्णय के लिए महापौर और नगर आयुक्त का भी आभार व्यक्त किया और कहा कि उनके सहयोग से ही नागरिकों के हित में यह महत्वपूर्ण फैसला संभव हो पाया है। उन्होंने कहा कि यदि किसी नागरिक को हाउस टैक्स से संबंधित कोई जानकारी चाहिए तो वह नगर निगम कार्यालय से या सीधे उनसे संपर्क कर जानकारी प्राप्त कर सकता है।

गौरव सोलंकी ने उठाया कार्य पुष्टि का मामला

करंट क्राइम : पार्षद गौरव सोलंकी ने कहा कि आठ माह के बाद बोर्ड की बैठक हो रही है। 7 मार्च 2025 को हुई थी, जिसमें टैक्स के लिए बेफिक्री का आरोप भी लगा। वहीं न्यायालय का हवाला दिया गया। उन्होंने कहा कि कार्य पुष्टि 30 जून की होनी चाहिए थी, इसका खंडन किया जाना चाहिए था लेकिन ऐसा नहीं हो रहा है।

गृहकर को लेकर नगर निगम बोर्ड बैठक में हंगामा, अधिकतम 92% छूट का फैसला

करंट क्राइम : नगर निगम की बोर्ड बैठक में शनिवार को गृहकर (हाउस टैक्स) के मुद्दे पर जमकर हंगामा हुआ। पार्षदों ने बढ़ी हुई दरों का विरोध करते हुए इन्हें कम करने की मांग की, लेकिन नगर आयुक्त ने साफ कर दिया कि दरों में कटौती का निर्णय उनके स्तर पर संभव नहीं है।

इसके बावजूद सदन ने करदाताओं को राहत देने के लिए कई प्रकार की छूट देने का फैसला किया। बैठक में तय किया गया कि करदाताओं को गृहकर में अधिकतम 92 प्रतिशत तक छूट मिल सकेगी। पहली बार गीला और सूखा कूड़ा अलग-अलग देने वाले लोगों को 10 प्रतिशत अतिरिक्त छूट दी जाएगी। वहीं ऑनलाइन हाउस टैक्स जमा करने पर मिलने वाली छूट को 1 प्रतिशत से बढ़ाकर 2 प्रतिशत कर दिया गया है।

हाउस टैक्स पर गरमाई बहस, पार्षदों ने अधिकारियों और व्यवस्था पर उठाए कई सवाल

गाजियाबाद। शनिवार को नगर निगम की बोर्ड बैठक में हाउस टैक्स का मुद्दा पूरे समय छाया रहा। कई पार्षदों ने टैक्स बढ़ोतरी, बिलिंग व्यवस्था और निगम अधिकारियों की कार्यशैली पर सवाल उठाए, जिससे सदन में तीखी बहस देखने को मिली। नगर निगम के कार्यकारिणी उपाध्यक्ष प्रवीण चौधरी ने कहा कि जिस तरह से हाउस टैक्स बढ़ाया जा रहा है, उससे पार्टी को भी राजनीतिक नुकसान हो सकता है।

सुरक्षा के कड़े इंतजाम

करंट क्राइम : हाईकोर्ट के आदेश के बाद हो रही इस पहली बोर्ड बैठक को लेकर नगर निगम मुख्यालय में सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए थे। परिसर में चप्पे-चप्पे पर पुलिस तैनात रही और पार्षदों से लेकर पत्रकारों तक को आई-कार्ड जांच के बाद ही सदन में प्रवेश दिया गया।

हाउस टैक्स के विरोध में पार्षद ने दिया इस्तीफा

करंट क्राइम : बैठक के दौरान हाउस टैक्स की बढ़ी दरों के विरोध में युवा पार्षद धीरेन्द्र उर्फ बिल्लू ने अपना इस्तीफा मेयर को सौंप दिया। उन्होंने आरोप लगाया कि नगर निगम ने हाउस टैक्स में 300 से 400 प्रतिशत तक बढ़ोतरी कर दी है, जिससे आम जनता पर भारी बोझ पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि पार्षदों को जनता के बीच इसका जवाब देना मुश्किल हो रहा है। हालांकि मेयर सुनीता दयाल ने उनका इस्तीफा स्वीकार नहीं किया और मामले को शांत कराया।पर कहा जा रहा है कि नियम 29 को लेकर पार्षद की टेंशन बढ़ सकती है।

दैनिक करंट क्राइम

www.currentcrime.com

सिर्फ सच...

02 ● नई दिल्ली । रविवार 08 मार्च -2026 दिल्ली व गाजियाबाद से एक साथ प्रकाशित

युद्ध के बीच भारत में बढ़े सिलेंडर के दाम

घरेलू 60 रुपए और वाणिज्यिक सिलेंडर की कीमतों में 115 रुपये की बढ़ोतरी

नई दिल्ली। घरेलू एलपीजी सिलेंडरों की कीमतों में शनिवार, 7 मार्च से वृद्धि कर दी गई है। देश भर में 14.2 किलोग्राम के घरेलू खाना पकाने वाले गैस सिलेंडर की कीमत में 60 रुपये की बढ़ोतरी हुई है। इसी तरह, 19 किलोग्राम के व्यावसायिक एलपीजी सिलेंडर की कीमत में भी आज से 115 रुपये की वृद्धि की गई है, जिससे होटल, रेस्तरां और छोटे व्यावसायिक प्रतिष्ठानों जैसे व्यवसायों पर असर पड़ेगा।

दिल्ली में 14.2 किलोग्राम के घरेलू एलपीजी सिलेंडर की कीमत 853 रुपये से बढ़कर 913 रुपये हो गई है। मुंबई में, घरेलू एलपीजी सिलेंडर की नई दर अब 852.50 रुपये से बढ़कर 912.50 रुपये हो गई है।

सदन में मेयर का अधिकारियों पर हमला, बोलीं रवैया रहा एडैमेंट, जनता पर अतिरिक्त बोझ नहीं डालने देंगे

गाजियाबाद, करंट क्राइम। शनिवार को नगर निगम की बोर्ड बैठक के दौरान हाउस टैक्स के मुद्दे पर तीखी बहस के बीच महापौर सुनीता दयाल ने अधिकारियों के रवैये पर खुलकर नाराजगी जताई।

उन्होंने कहा कि अधिकारियों का रवैया काफी हद तक एडैमेंट यानी हठधर्मी रहा है, जबकि जनता पर अतिरिक्त बोझ डालने की अनुमति नहीं दी जाएगी। महापौर ने कहा कि पहले बैठक कहां हुई और वहां क्या व्यवस्थाएं रहीं, यह किसी से छिपा नहीं है। सदन की अपनी गरिमा होती है और बैठक सदन की निर्धारित जगह पर ही होनी चाहिए। उन्होंने साफ कहा कि नगर निगम को जनता के हितों को सर्वोपरि रखना होगा।

महापौर ने सदन में कहा सबसे ज्यादा आलोचना और गालियां उन्हें ही सुननी पड़ी हैं

करंट क्राइम : हाउस टैक्स के मुद्दे को लेकर नगर निगम, जनप्रतिनिधियों और महापौर तक को लोगों के विरोध का सामना करना पड़ा। इस पर महापौर ने सदन में कहा कि हाउस टैक्स के मामले में सबसे ज्यादा आलोचना और गालियां उन्हें ही सुननी पड़ी हैं, जबकि कई निर्णय प्रशासनिक स्तर पर लिए गए थे। महापौर ने सर्वे टीम की कार्यप्रणाली पर भी गंभीर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि सर्वे के दौरान कई लापरवाहियां सामने आई हैं और अलग-अलग जोनों से बड़ी संख्या में शिकायतें मिली हैं। उन्होंने यह भी कहा कि जिस अधिकारी की गलती से हाउस टैक्स का पूरा विवाद खड़ा हुआ, उसी अधिकारी को समिति में शामिल कर दिया गया, जो आश्चर्यजनक है।

इसके साथ ही उन्होंने कहा कि डीएम स्तर की बैठक की तिथि और अन्य अहम बिंदुओं को भी स्पष्ट नहीं किया गया। 20 साल से अधिक पुराने भवनों को 40 प्रतिशत छूट देने जैसे मामलों में भी शुरू में स्थिति साफ नहीं थी, जिससे भ्रम की स्थिति बनी। महापौर ने अधिकारियों को भविष्य में पारदर्शिता और जिम्मेदारी के साथ काम करने की नसीहत दी।

महापौर ने कहा मैं भी देखूंगी कौन है दुआ, सदन में गूंज उठी तालियां

करंट क्राइम : नगर निगम की बोर्ड बैठक के दौरान शनिवार को उस समय रोचक स्थिति बन गई जब सदन में बार-बार दुआ का नाम गूंजने लगा।

पार्षदों द्वारा अधिकारियों पर फाइलें रोकने और कार्यों में अनावश्यक अड़चन डालने के आरोप लगाते हुए दुआ का नाम लिया गया। इस पर कुछ समय तक सदन में चर्चा और बहस चलती रही। इसी दौरान महापौर सुनीता दयाल ने माइक संभालते हुए कहा कि आखिर यह दुआ कौन हैं, यह वह भी देखना चाहेंगी। उन्होंने हल्के अंदाज में कहा कि मैं भी देखूंगी कि यह दुआ कौन हैं और इनका सम्मान भी करेंगे। महापौर के इतना कहते ही सदन में मौजूद पार्षदों ने जोरदार तालियां बजाई और कुछ देर के लिए सदन का माहौल शोर-शराबे के बीच गूंज उठा। बोर्ड बैठक में हाउस टैक्स, आउटसोर्सिंग और अन्य मुद्दों पर भी तीखी बहस देखने को मिली, लेकिन दुआ के नाम को लेकर हुई यह टिप्पणी पूरे सदन में चर्चा का विषय बन गई।

अत्यधिक गृहकर वृद्धि के विरोध में आमरण अनशन शुरू, मिल रहा व्यापक समर्थन

करंट क्राइम : अत्यधिक गृहकर वृद्धि के विरोध में आंदोलन तेज हो गया है। इसी क्रम में व्यापार मंडल गाजियाबाद के अध्यक्ष अवधेश शर्मा ने निगम के खिलाफ आमरण अनशन शुरू कर दिया है। धरना स्थल पर व्यापारी, स्थानीय निवासी, सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि और विभिन्न क्षेत्रों के लोग पहुंचकर अपना समर्थन दे रहे हैं। आंदोलनकारियों का कहना है कि जब तक नगर निगम द्वारा बढ़ाई गई गृहकर की दरें वापस नहीं ली जातीं, तब तक यह संघर्ष जारी रहेगा। उनका आरोप है कि बढ़ी हुई दरों से आम नागरिक और व्यापारियों पर अनावश्यक आर्थिक बोझ पड़ रहा है। धरना स्थल पर लोगों की लगातार आवाजाही बनी हुई है। आंदोलन को मजबूत करने के लिए महिलाओं, वरिष्ठ नागरिकों और युवाओं से भी क्रमिक अनशन में भाग लेने की अपील की गई है। आंदोलनकारियों का कहना है कि यह किसी एक व्यक्ति की नहीं बल्कि पूरे शहर के करदाताओं की लड़ाई है और इसे मिलकर ही आगे बढ़ाया जाएगा।

नगर निगम बोर्ड बैठक में दुआ को लेकर घमासान, पार्षदों-अधिकारियों में तीखी बहस

करंट क्राइम : शनिवार को नगर निगम की बोर्ड बैठक के दौरान आउटसोर्सिंग प्रक्रिया को लेकर जमकर हंगामा हुआ। बैठक में पार्षद राजीव शर्मा और विनय चौधरी ने दुआ का नाम लेते हुए अधिकारियों पर सवाल खड़े कर दिए, जिससे सदन का माहौल गरमा गया। पार्षदों का आरोप था कि नगर निगम में जो भी फाइल दुआ के पास जाती है, वह लंबे समय तक अटक जाती है। उनका कहना था कि कई कामों के बजट अधिक होते हैं, लेकिन फाइलें पास होने में देरी होती है। इस पर अधिकारियों को भी सदन में जवाब देना पड़ा। इस दौरान नगर आयुक्त ने अधिकारियों का पक्ष लेते हुए कहा कि यह काम सरकार के हित में किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि जिन मामलों को अन्य अधिकारी नहीं देख पाए, उन्हें दुआ द्वारा पूरा किया जा रहा है, इसलिए इसे गलत तरीके से नहीं देखा जाना चाहिए। हालांकि आयुक्त के जवाब से कुछ पार्षद संतुष्ट नहीं हुए और उन्होंने इसे सम्मान का विषय बताते हुए महापौर से मांग की कि दुआ को हटाया जाए। पार्षदों का आरोप था कि आउटसोर्सिंग प्रक्रिया में नियमों के विपरीत काम हो रहा है और इसकी जांच होनी चाहिए। दूसरी ओर अधिकारियों ने दुआ का खुलकर बचाव किया। बैठक के बाद भी निगम परिसर में दुआ को लेकर चर्चाएं होती रहीं। कई पार्षद और पदाधिकारी यह कहते सुने गए कि आखिर यह दुआ कौन है जिसकी नगर निगम में इतनी चल रही है। पूरे घटनाक्रम के दौरान कुछ पार्षद और पदाधिकारी काफी परेशान भी दिखाई दिए।

हाउस टैक्स पर हंगामे के बीच निगम की बोर्ड बैठक, तीन प्रस्ताव हुए पास

छूट के प्रस्ताव को 51 पार्षदों का समर्थन, कई पार्षद और जनप्रतिनिधि रहे नदारद

गाजियाबाद, करंट क्राइम। शनिवार को नगर निगम की बोर्ड बैठक में हाउस टैक्स के मुद्दे को लेकर जमकर चर्चा और हंगामा देखने को मिला। शहर में बढ़े हुए गृहकर के विरोध और जनता में बढ़ती नाराजगी के बीच हुई इस महत्वपूर्ण बैठक में अंततः तीन अहम प्रस्ताव पारित किए गए। इनमें निगम के बजट पर सहमति, हाउस टैक्स में छूट तथा दुकानों के किराए से जुड़ा प्रस्ताव शामिल रहा। बैठक में हाउस टैक्स का मुद्दा सबसे प्रमुख रहा। सदन में इस पर लंबी चर्चा के बाद करदाताओं को राहत देने के लिए छूट का प्रस्ताव रखा गया, जिस पर लगभग 51 पार्षदों ने अपनी सहमति दर्ज कराई। इसके तहत पुराने आवासीय भवनों पर आयु के आधार पर छूट देने, ऑनलाइन टैक्स जमा करने पर अतिरिक्त छूट और सूखा-गीला कूड़ा अलग करने पर भी छूट का प्रावधान रखा गया है। हालांकि इतनी महत्वपूर्ण बैठक के बावजूद पार्षदों की उपस्थिति उम्मीद के मुताबिक नहीं रही। निगम के रिकॉर्ड के अनुसार करीब 80 पार्षद ही बैठक में मौजूद रहे, जबकि लगभग 20 पार्षद अनुपस्थित रहे। पार्षदों की कम उपस्थिति को लेकर भी सदन के बाहर चर्चाएं होती रहीं। इस बीच कांग्रेस पार्षद अजय शर्मा विशेष रूप से चर्चा में रहे। कुछ दिन पहले गाय के हमले में गंभीर रूप से घायल होने के कारण उनकी पसली की हड्डी टूट गई थी, इसके बावजूद वह बैठक में पहुंचे और हाउस टैक्स के मुद्दे पर अपनी आवाज बुलंद की। उन्होंने महापौर से जनता को राहत देने की मांग करते हुए हाउस टैक्स में बढ़ोतरी पर पुनर्विचार करने की बात कही।

जनप्रतिनिधियों की गैरमौजूदगी पर उठे सवाल

करंट क्राइम : हाउस टैक्स जैसे संवेदनशील मुद्दे पर आयोजित इस बैठक में शहर के जनप्रतिनिधियों की अनुपस्थिति भी चर्चा का विषय रही। बैठक में न तो कोई सांसद पहुंचा और न ही कोई विधायक या अन्य प्रमुख जनप्रतिनिधि मौजूद रहे। जबकि बीते दिनों हाउस टैक्स को लेकर शहर में बढ़ते विरोध के बीच जनप्रतिनिधियों ने अधिकारियों के साथ बैठकों में भाग लेकर समाधान निकालने का भरोसा दिलाया था। ऐसे में बोर्ड बैठक के दौरान उनकी गैरमौजूदगी को लेकर भी सवाल उठते रहे।

जल्द फिर बुलायी जा सकती है बैठक

करंट क्राइम : निगम सूत्रों के अनुसार हाउस टैक्स के मुद्दे पर अभी भी कई बिंदुओं पर चर्चा और स्पष्टीकरण बाकी है। इसलिए संभावना जताई जा रही है कि जल्द ही निगम की एक और बैठक बुलाई जा सकती है, ताकि शेष विषयों पर अंतिम निर्णय लिया जा सके और शहर के करदाताओं को स्पष्ट दिशा मिल सके। कुल मिलाकर हाउस टैक्स को लेकर नगर निगम की यह बैठक काफी हंगामेदार रही, लेकिन इसके बीच तीन महत्वपूर्ण प्रस्ताव पास कर निगम ने आगे की प्रक्रिया को आगे बढ़ाने का रास्ता साफ कर दिया।

जब भाजपा पार्षद ने लिया फेवर तो बिगड़ गये भाजपा पार्षदों के ही तेवर

करंट क्राइम। निगम की बैठक में गजब का सीन था। जिनकी सरकार है वो ही पूरी तरह तकरार में थे। जिनका इंतजार था वो बैठक में आये ही नहीं। भगवा पार्षदों में किस कदर उबाल है इसका मुलाहिजा भाजपा पार्षद के एक सवालसे ही हो गया। वार्ड संख्या 100 के पार्षद संजय सिंह ने कर वृद्धि का पक्ष लिया और कहा कि विकास के लिए टैक्स जरूरी है। उनके इतना कहते ही उनकी पहली घेराबंदी भाजपा पार्षदों ने ही कर ली। बड़ी बात ये है कि जिस भाजपा पार्षद ने हाउस टैक्स बढाने की हिमायत की वो संजय सिंह लगातार दो बार वार्ड संख्या 100 से भाजपा के टिकट पर चुनाव जीत चुके हैं।

प्रवीण चौधरी, राजीव शर्मा और गौरव सौलंकी ने संभाली कमान

करंट क्राइम। हाउस टैक्स का मुद्दा था और नगर निगम की महाभारत में दोनों तरफ भाजपा थे। इस जंग का रंग ही हर तरफ से केसरिया था। यहां पर भाजपा पार्षद तर्कों के साथ थे और उनके तर्क बता रहे थे कि वो बैठक से पहले पूरा वर्क करके आये हैं। भाजपा पार्षद गौरव सौलंकी ने मोर्चा खोला। यहां निगम कार्यकारिणी उपाध्यक्ष प्रवीण चौधरी औ पूर्व निगम कार्यकारिणी उपाध्यक्ष राजीव शर्मा ने भी मामले की कमान संभाली। दोनों अधिवक्ता हैंऔर निगम एक्ट जैसे मुद्दों के शानदार वक्ता हैं। यहां 40प्रतिशत की छूट वाले फार्मेट से ये संतुष्ट नहीं थे। निगम तर्क दे रहा था कि जनता को राहत दी जा रही है और बढ़े हुए टैक्स से आहत पार्षदों का कहना था कि जनता पर करों का बोझ लादा गया है।

भाजपा पार्षद बोलीं नहीं हुआ मेरे वार्ड में पार्षद कोटे का काम

करंट क्राइम। जिनकी सरकार थी उनकी तकरार थी और ये भी पता चला कि पार्षदों से जो एक करोड़ के विकास का वादा किया गया था वह भी वादा पूरा नहीं हुआ है। डीएलएफ के वार्ड संख्या 10 की पार्षद तथा भाजपा के क्षेत्रीय उपाध्यक्ष मानसिंह गोस्वामी की पत्नी रेखा गोस्वामी ने भरे सदन में कहा कि मेरे वार्ड में आज तक पार्षद कोटे का काम ही नहीं हुआ है।

जब गुस्से में बोली पार्षद शिल्पा, क्या मेरा वार्ड टैक्स नहीं देता

करंट क्राइम। केसरिया जंग थी और इसक रंग ये था कि सबसे ज्यादा आक्रोश भाजपा पार्षदों में था। उनकी सरकार है और जनता के प्रति वो जवाबदेह हैं। इसका गुब्बार जब दिखाई दिया जब वार्ड संख्या 61 की पार्षद शिल्पा चौधरी ने निगम सदन में कहा कि हमारा वार्ड टैक्स नहीं देता। उन्होंने कहा कि हमारे वार्ड में विकास के काम हुए ही नहीं है।

भाजपा पार्षद बोला मेरे वार्ड से हटा लो सफाई कर्मचारी

करंट क्राइम। ये बैठक यादगार रहेगी और इसलिए रहेगी कि यहां जिनकी सरकार है उनकी ही तकरार सबसे ज्यादा रही। उनके काम नहीं हो रहे और इसकी बानगी भाजपा पार्षद सचिन डागर ने दिखाई। सचिन डागर ने मेयर को सम्बोधित किया और कहा कि क्या सदन में केवल चार लोग ही बोलेंगे। इसके बाद सचिन डागर ने कहा कि मेरे वार्ड में कर्मचारी कम हैं, काम नहीं होता है और उन्होंने भरे सदन में ये अपील की कि ऐसा करो कि जो कम कर्मचारी हैं उन्हें भी वहां से हटा लो।

भाजपा पार्षद बोला कौन है राजेन्द्र त्यागी और हिमांशु मित्तल

करंट क्राइम। नगर निगम में बोर्ड बैठक थी और इस बैठक में भाजपा पार्षद तो क्या विपक्ष के पार्षदों से लेकर शहर की जनता को पता है कि हाईकोर्ट में याचिकाकर्ता कौन है। राजेन्द्र त्यागी लगातार पांच बार के पार्षद रहे हैं। जीडीए बोर्ड सदस्य रहे हैं। एक लंबी आयु निगम पार्षद के रूप में गुजार है। हिमांशु मित्तल जीडीए बोर्ड सदस्य रहे हैं और क्रान्तिकारी पार्षदों में गिनती रही है। इन दोनों ने ही हाईकोर्ट में रिट दायर की थी। गाजियाबाद से लेकर लखनऊ तक इन दो नामों की गूंज है लेकिन नये भाजपाई

भाजपा को कितना जानते है, इसका मुलाहिजा हो गया। जब भरे सदन में भाजपा पार्षद अनुज त्यागी ने कहा कि हमें तो ये बताओ कि राजेन्द्र त्यागी और हिमांशु कौन हैं, हम तो इन्हें जानते ही नहीं हैं। ये क्यों कोर्ट में चले गये। भाजपा पार्षद अनुज त्यागी के सदन में उठाये गये इस मासूम सवाल पर सब हैरान रह गये। जिन्हें जनता चुनाव में जिताती है वो जन मुद्दों से कितना अपडेट हैं, इसका पता चला। फिर बाद में ये भी पता चला कि सवाल उठाने वाले नए भाजपाई हैं। दरअसल वो भाजपा को हराकर ही वार्ड में चुनाव जीते थे। जब वो चुनाव जीत गये तो भाजपा ने भी अपने हारे हुए भाजपा उम्मीदवार को दरकिनार कर भाजपा को हराने वाले उम्मीदवार को भाजपाई बना लिया। अब अनुज त्यागी भाजपाई हैं और उनकी बात भी सही है कि कौन राजेन्द्र त्यागी और कौन हिमांशु। वो अभी चुनाव के बाद ही भाजपाई बने हैं। वैसे कमाल ये भी है जिस हाईकोर्ट की लड़ाई की गूंज कैबिनेट मंत्री से लेकर उस गूंज से भाजपा का पार्षद पूरी तरह अनभिज्ञ है।

जब भाजपा पार्षद बोले साजिश की बात, मेयर बोली तुम्हारे वार्ड में सबसे ज्यादा विकास

करंट क्राइम। भाजपा पार्षद लगातार बोर्ड बैठक की पिच पर बाउसर डाल रहे थे। उनका जोश उनका आक्रोश उनके लहजे से निकल रहा था। यहां भाजपा पार्षद धीरज ने जब कहा कि टैक्स को लेकर कोई साजिश है, विकास को लेकर साजिश है तो मेयर ने उन्हें करेक्ट किया और कहा कि इन्दिरापुरम में सबसे ज्यादा विकास हुआ है।

पार्षद गौरव सोलंकी ने अधिकारियों पर लगाया आंकड़ों की बाजीगरी का आरोप

गाजियाबाद करंट क्राइम : नगर निगम की हाउस टैक्स को लेकर हुई बोर्ड बैठक के दौरान पार्षद गौरव सोलंकी ने निगम अधिकारियों पर आंकड़ों का खेल दिखाने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि बैठक के दौरान अधिकारी लगातार यह कहते रहे कि 96 पैसे का रेट कभी लागू नहीं था, जबकि उन्हीं के अधीनस्थ अधिकारियों द्वारा उसी दर से बिलिंग की गई है। पार्षद गौरव सोलंकी ने कहा कि इस मामले में कोर्ट और शासन के निर्णय से भी अधिक सदन की गरिमा और सम्मान को प्राथमिकता दी जानी चाहिए थी। उनका कहना था कि जनता को मिलने वाली छूट को और बढ़ाया जाना चाहिए था ताकि लोगों को वास्तविक राहत मिल सके। उन्होंने बताया कि नगर निगम की ओर से पहले ही करीब 20 प्रतिशत की छूट दी जा रही थी, लेकिन कॉरपेट एरिया और कवर्ड एरिया के अन्य नियम लागू होने से आम जनता को उतनी राहत नहीं मिल पाई, जितनी अपेक्षा थी। उनके अनुसार इन नियमों के चलते बढ़ा हुआ टैक्स आधा होने के बजाय अब भी लोगों को लगभग डेढ़ से पौने दो गुना तक गृहकर जमा करना पड़ेगा। नगर निगम के पार्षद गौरव सोलंकी ने कहा कि इस तरह की कर वृद्धि का सीधा असर आम नागरिकों पर पड़ेगा। उन्होंने यह भी चेतावनी दी कि आने वाला समय चुनावी है और यदि जनता को राहत नहीं मिली तो इसका राजनीतिक प्रभाव भी देखने को मिल सकता है।

08 Mar -26 page 3 07-03-26 10:54 PM Page 1

दैनिक
करंट क्राइम
www.currentcrime.com
सिर्फ सच...

हाउस टैक्स बढ़ोत्तरी के विरोध में समाजवादी पार्टी का नगर निगम घेराव, बड़ी संख्या में पहुंचे कार्यकर्ता और नागरिक

समाजवादियों के नेतृत्व में निगम मुख्यालय पर हुआ जोरदार प्रदर्शन, सफल घेराव से प्रशासन पर बना दबाव

गाजियाबाद, करंट क्राइम। गाजियाबाद नगर निगम द्वारा हाउस टैक्स में की गई भारी बढ़ोतरी के विरोध का आरोप लगाकर समाजवादी पार्टी ने शनिवार को नगर निगम का जोरदार घेराव कर प्रदर्शन किया। जिला अध्यक्ष फैसल हुसैन एडवोकेट और महानगर अध्यक्ष वीरेंद्र यादव एडवोकेट के नेतृत्व में हुए इस प्रदर्शन में पार्टी पदाधिकारियों, कार्यकताओं और आम नागरिकों की बड़ी संख्या ने हिस्सा लिया। प्रदर्शन की शुरूआत नवयुग मार्केट स्थित अंबेडकर पार्क में बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण के साथ हुई। इसके बाद सपा कार्यकर्ता और समर्थक जुलूस के रूप में नगर निगम पहुंचे और हाउस टैक्स में हुई बेतहाशा बढ़ोतरी के खिलाफ जोरदार नारेबाजी करते हुए निगम का घेराव किया। प्रदर्शन के दौरान समाजवादी पार्टी के नेताओं ने नगर निगम द्वारा हाउस टैक्स में करीब 300 प्रतिशत तक की बढ़ोतरी को आम जनता के साथ अन्याय बताया। नेताओं ने कहा कि गाजियाबाद में बड़ी संख्या में मध्यम वर्ग, छोटे व्यापारी, निम्न मध्यम वर्ग और सीमित आय वाले लोग रहते हैं। ऐसे में अचानक बढ़ा हुआ टैक्स आम लोगों पर भारी आर्थिक बोझ बन गया है। प्रदर्शन के दौरान पार्टी प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को संबोधित ज्ञापन अपर नगर आयुक्त को सौंपते हुए मांग की कि उत्तर प्रदेश नगर निगम अधिनियम की धारा 205 के अंतर्गत राज्य सरकार अपनी शक्तियों का प्रयोग कर हाउस टैक्स बढ़ोतरी को तत्काल प्रभाव से समाप्त करने का आदेश जारी

करे, ताकि जनता को राहत मिल सके।

जिला अध्यक्ष फैसल हुसैन ने कहा कि समाजवादी पार्टी हमेशा से जनता के मुद्दों को मजबूती से उठाती आई है और आगे भी आम नागरिकों की आवाज बनकर खड़ी रहेगी। उन्होंने कहा कि महंगाई के इस दौर में जब लोगों के लिए घर चलाना ही मुश्किल हो रहा है, तब हाउस टैक्स में भारी वृद्धि लोगों को और संकट में डाल रही है। महानगर अध्यक्ष वीरेंद्र यादव ने कहा कि गाजियाबाद की जनता ने भाजपा को सांसद, विधायक, मेयर और पार्षद जिताकर भरोसा जताया, लेकिन बदले में उन्हें भारी टैक्स वृद्धि का बोझ मिला। उन्होंने कहा कि यदि हाउस टैक्स वृद्धि को वापस नहीं लिया गया तो समाजवादी पार्टी गाजियाबाद के आरडब्ल्यूए, व्यापारियों, सामाजिक संगठनों, राजनीतिक दलों और आम जनता के साथ मिलकर बड़ा जनआंदोलन शुरू करेगी। पूर्व विधायक अमर पाल शर्मा ने कहा कि नगर निगम के अधिकारियों ने बाहर आकर पार्टी नेताओं से मुलाकात की और ज्ञापन स्वीकार किया। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी लोकतांत्रिक तरीके से जनता की समस्याओं को प्रशासन तक पहुंचा रही है और आगे भी इसी तरह जनहित के मुद्दों को मजबूती से उठाया जाता रहेगा।

इस मौके पर समाजवादी पार्टी के अनेक वरिष्ठ नेता, पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे जिनमें फैसल हुसैन, वीरेंद्र यादव, नितिन त्यागी, राजन कश्यप, राम दुलार यादव, अमर पाल शर्मा, धर्मवीर डबास, अभिषेक गर्ग, सिकंदर यादव, रमेश प्रजापति, मनीष बंसल, सतेंद्र शर्मा, प्रवेश बसोया, जितेंद्र यादव, बाबू सिंह आर्य, श्रवण त्यागी, विशाल वर्मा, रमेश यादव, मधु चौधरी, राजदेवी चौधरी, मोहम्मद कल्लन, आरिफ मलिक, फहीम चौधरी, संजू चौधरी, आदिल मलिक, रविन्दर डबास, आसिफ चौधरी, मनोज पंडित, गुलाब यादव, विक्की ठाकुर, इरफान अमानत चौधरी, रविन्द्र यादव, असलम कुरैशी, अंशु ठाकुर, विकास यादव, कर्मवीर सिंह जाटव, ताहिर हुसैन, अमन यादव, शिवम कश्यप, अब्बास हैदर, दुर्गेश चौधरी, किरण कालिया, प्रभाकर त्यागी, मनीषा त्यागी, शाकिर हुसैन, फुरकान कुरैशी, विक्रांत पंडित, समीर खान, गुड्डू यादव, विनोद यादव, राहुल पंडित, शाहनवाज खान, देवरत धामा, शशि कश्यप, राजेश बंसल, शहजाद, आशु अब्बाशी, एनए यादव, रोहित माथुर, नसीम खान, उम्मेद पहलवान, विनोद गुर्जर, अनुज गुर्जर, राजवीर सिंह, संदीप प्रधान, कमलेश यादव, नासिर अंसारी, अनिल चौधरी, रजत पोरवाल, हरेंद्र कसाना, विक्रम यादव, गफ्फार तोमर, लालसिंह यादव, हसमुद्दीन इदरीसी, सचिन दीक्षित, रिजवान मेवाती, कमरुद्दीन सैफी, मुकेश यादव, कृष्ण कुमार यादव, सौदान गुर्जर, मुस्तफा चौधरी, वसीम बाबू, शिवानंद चौबे, भारत यादव, खालिद बुखारी, महबूब अंसारी, इकरामुद्दीन कामू, राजू मलिक, वीरेंद्र त्यागी, समर चौहान, आशीर्वाद चौधरी, राहुल यादव, सुनील यादव, नवीन कुमार शर्मा, उमेश कश्यप, बाबा खान, प्रशांत नगर, आकाश, फौजी सोनू सैनी, प्रदीप गहलोत, गुल मोहम्मद मंसूरी, इसरार अहमद, मालती चौहान, किरण चौधरी, आशा सचदेव, नरेश कुमार बत्रा, चौधरी फिरोज प्रधान, अजय कुमार, मजीद खान, मदनपाल गौतम, सतीश कुमार, दीपक राजोरा, सूरजपाल, रिजवान, मणिपाल शर्मा, चांद हुसैन, आशीर्वाद चौधरी, एजाज खान, राहुल रावत आदि मौजूद रहे।

पाषद बिल्लू यादव को बधाई, अन्य पार्षद भी लें सीख

गाजियाबाद करंट क्राइम। सपा के प्रदेश सचिव अभिषेक गर्ग ने पार्षद धीरेन्द्र यादव बिल्लू के इस्तीफे पर कहा कि उन्होंने इस्तीफा देकर एक नजीर पेश की है। उन्होंने ये ऐहसास कराया है कि वे जनता के सच्चे प्रतिनिनिधि है। वो जनता के साथ अन्याय होते हुए नहीं देख सकते। श्री गर्ग ने कहा कि मैं अन्य पार्षदों से भी कहना चाहता हूं कि वो इस मुहिम में आगे आयें और इस्तीफे देकर हाउस टैक्स का पुरजोर विरोध करें। मैं उन्हें आश्वस्त करता हूं कि समाजवादी पार्टी की सरकार बनने पर सभी को उचित सम्मान राष्ट्रीय अध्यक्ष जी से कहकर दिलवाया जायेगा। सभी का समायोजन मजबूत पदों पर किया जायेगा।

जिला और महानगर अध्यक्ष की मेहनत से सफल रहा प्रदर्शन

करंट क्राइम। जिला अध्यक्ष फैसल हुसैन एडवोकेट और महानगर अध्यक्ष वीरेंद्र यादव एडवोकेट के नेतृत्व में आयोजित इस प्रदर्शन को पार्टी के अंदर एक बड़ी सफलता के रूप में देखा जा रहा है। दोनों नेताओं की सक्रियता और संगठनात्मक मेहनत के कारण बड़ी संख्या में कार्यकर्ता और समर्थक नगर निगम पहुंचे। पार्टी पदाधिकारियों का कहना था कि लंबे समय बाद किसी जनहित के मुद्दे पर इतना बड़ा और संगठित प्रदर्शन देखने को मिला। कार्यकताओं ने कहा कि जिला और महानगर अध्यक्ष की सक्रिय रणनीति के कारण ही यह प्रदर्शन प्रभावी और सफल रहा, जिससे प्रशासन पर जनता की आवाज पहुंचाने में मदद मिली।

हाउस टैक्स वृद्धि से जनता पर पड़ा आर्थिक बोझ : अभिषेक गर्ग

करंट क्राइम। समाजवादी पार्टी के प्रदेश सचिव एवं गाजियाबाद शहर विधानसभा सीट से दावेदार अभिषेक गर्ग ने कहा कि हाउस टैक्स में की गई भारी बढ़ोतरी आम जनता के साथ अन्याय है। उन्होंने कहा कि गाजियाबाद का मध्यम वर्ग, व्यापारी और गृहस्वामी पहले ही महंगाई से जूझ रहे हैं, ऐसे में नगर निगम का यह फैसला लोगों की मुश्किलें बढ़ाने वाला है। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी जनता के साथ खड़ी है और इस मुद्दे को लेकर लगातार आवाज उठाती रहेगी। यदि सरकार और नगर निगम प्रशासन ने इस निर्णय पर पुनर्विचार नहीं किया तो आंदोलन को और व्यापक रूप दिया जाएगा।

प्रदर्शन के हीरो बने अभिषेक गर्ग : नगर निगम घेराव के दौरान प्रदेश सचिव अभिषेक गर्ग की सक्रिय भूमिका चर्चा का विषय रही। प्रदर्शन के दौरान वह लगातार कार्यकताओं का नेतृत्व करते नजर आए और पूरे आंदोलन में ऊर्जा बनाए रखी। पार्टी कार्यकताओं का कहना था कि अभिषेक गर्ग ने प्रदर्शन को प्रभावी बनाने में अहम भूमिका निभाई। उन्होंने कार्यकताओं को संगठित करने से लेकर जनता की आवाज को मजबूती से उठाने तक सक्रिय भागीदारी निभाई, जिसके कारण प्रदर्शन में खास उत्साह देखने को मिला।

पक्ष और विपक्ष के पार्षदों ने खूब मचाया शोर

मगर पार्षद बिल्लू यादव ने इस्तीफा देकर कर दिया सबको इग्नोर

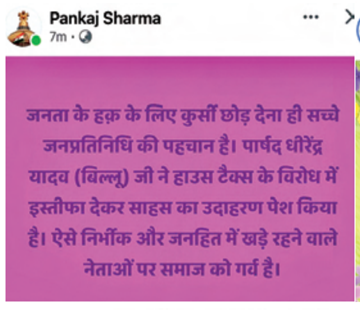

गाजियाबाद, करंट क्राइम। हाउस टैक्स पर चर्चा के दौरान निर्दलीय पार्षद धीरेन्द्र यादव बिल्लू ने शोर मचाने वाले पार्षदों को उस वक्त चौंका दिया। जब उन्होंने टैक्स के विरोध में इस्तीफा देने की घोषणा कर दी।

निगम की बैठक हाई वोल्टेज थी और निगम मुख्यालय में सदन के भीतर पार्षदों की किल-किल चल रही थी और निगम के बाहर समाजवादियों के विरोध की साईकिल चल रही थी। वास्तव में अपने दम पर जीतने वाले इस निर्दलीय पार्षद ने सबका दिल जीत लिया। हाईवोल्टेज बैठक में एक बड़ा झटका देते हुए निर्दलीय पार्षद धीरेन्द्र यादव बिल्लु ने जनता के मुद्दे पर अपनी पार्षदी कुर्बान कर दी। सोशल मीडिया पर चर्चा था कि वास्तव में फिर बिल्लु यादव छा गये और दल वाले पार्षद जिस बल को नहीं दिखा सके उस बल को बिना दल वाले पार्षद ने पूरे दम खम के साथ दिखा दिया। उन्होंने संदेश दिया कि जो जनता के सेवक हैं, फिर जीतेंगे। लेकिन आज जब जनता के लिए अड़ना है तो फिर ये घड़ी फिर नहीं आयेगी। 100 पार्षदों के सदन में ये अकेला नाम हमेशा याद रखा जायेगा जिसने साहस के साथ नैतिकता के साथ एक ज्वलंत मुद्दे के विरोध में इस्तीफा दे दिया। दैनिक करंट क्राइम ने इस्तीफा देने वाले निर्दलीय पार्षद धीरेन्द्र यादव बिल्लू से बात की। उन्होंने कहा कि हम जनता के वोटों से जीते हैं। हमें जनता ने जनादेश दिया है और अगर हम जनता के हितों की रक्षा नहीं कर सकते तो फिर हमें सदन में रहने

का कोई अधिकार नहीं। अगर जनहित के मुद्दों पर ही नहीं बोलेंगे तो फिर किस मुद्दे पर बोलेंगे। उन्होंने कहा कि मैं इस पूरे मामले में निगम प्रशासन से लेकर नगर निगम सदन की कार्यशैली से आहत था। हमें जनता ने चुना है और हम जनता के हितों की रक्षा नहीं कर सके तो फिर सदन में क्यों रहेंगे। मैंने आहत होकर इस्तीफा दिया है। मैं हमेशा क्षेत्र की जनता सेवा करूंगा।

सोशल मीडिया पर बिल्लू यादव के पक्ष में काफी कमेंट आये। किसी ने उन्हें निडर जनप्रतिनिधि बताया। किसी ने लिखा आज बिल्लू यादव छा गये। किसी ने उनके इस्तीफे का खुले मंच से स्वागत करते हुए बाकी पार्षदों पर ताना कसा। तो किसी ने कहा कि इस इस्तीफे के बाद और भी इस्तीफों की लाईन लगनी चाहिए। ताकि हाउस टैक्स कम हो सके।

एजेंडे में नहीं था पिछली बैठक की पुष्टि का कोई जिक्र

क्या इसलिए किसी भी जनप्रतिनिधि ने नहीं की बोर्ड बैठक में आने की फिक्र

फाइल फोटो

गाजियाबाद, करंट क्राइम। बोर्ड बैठक का इंतजार था और इस बात की प्रबल संभावना थी कि बोर्ड बैठक में तकरार होगी। बोर्ड बैठक में पार्षदों का गुब्बार निकलेगा। बोर्ड बैठक में जनप्रतिनिधियों ने उन जनप्रतिनिधियों का इंतजार था जो निगम बोर्ड के पदेन सदस्य कहे जाते हैं। इन पदेन सदस्यों में सांसत आते हैं, विधायक आते हैं, विधान परिषद सदस्य आते हैं। इससे पहले वाली बोर्ड बैठक में भी निगम के पार्षद जनप्रतिनिधियों के पास गये थे और उनसे अनुरोध किया था कि वो निगम की बैठक में आये हैं। लेकिन जब पार्षदों को मोर्चा खोलना था और उन्हें जिन जनप्रतिनिधियों से बैकअप का इंतजार था वो जनप्रतिनिधि ही पैकअप वाले सीन में थे।

सवाल उठा कि क्या एजेंडे से जुड़ा कोई मामला है। हाईकोर्ट में याचिका दाखिल करने वाले पूर्व पार्षद राजेन्द्र त्यागी और पूर्व पार्षद हिमांशु मित्तल ने ये सवाल पहले ही उठाया था कि जो एजेंडा भेजा गया है उसमें पिछली बैठक की पुष्टि नहीं की गई है। उन्होंने बताया कि ये एक प्रक्रिया हैऔर उसका पालन नहीं किया गया है। बैठक के एजेंडे में आखिर पिछली बैठक की पुष्टि क्यों नहीं की गई। क्यों इसका जिक्र नहीं हुआ है।

पूर्व मेयर अशु वर्मा ने दैनिक करंट क्राइम से बातचीत में इस मुद्दे को उठाया था और कहा था कि ये भी कमाल है कि जिस बैठक में लोकसभा सांसद मौजूद थे। जिस बैठक में विधायक मौजूद थे। उस बैठक की ही पुष्टि क्यों नहीं की गई है। हालांकि उममीद इसलिए भी थी कि बोर्ड बैठक से पहले डाक बंगले में लोकसभा सांसद अतुल गर्ग, शहर विधायक संजीव शर्मा, मुरादनगर विधायक अजीत पाल त्यागी, कैबिनेट मंत्री सुनील शर्मा गृहकर को लेकर ही सहमति बनाने पर बैठे थे। इस बैठक में नगर आयुक्त मौजूद थे, इस बैठक में मेयर मौजूद थीं और इस बैठक में भाजपा के महानगर अध्यक्ष भी मौजूद थे। इसलिए उम्मीद थी कि पार्षद जिस जन मुद्दे को उठा रहे हैं उस पर जनप्रतिनिधि जरूर पहुंचेंगे। लेकिन पार्षद इंतजार करते रहे।

मीडिया की भी नजरें गेट पर लगी हुई थी कि सांसद आयेंगे, विधायक आयेंगे। लेकिन कोई नहीं आया। जनता को इंतजार था कि जनता की आवाज बनकर ये लोग पहुंचेंगे जिन्हें हमने जनप्रतिनिधि बनाया है। लेकिन जनता को खबर हो कि उनकी आवाज बनकर कोई जनप्रतिनिधि यानी सांसद और विधायक इस बैठक में नहीं पहुंचे। जबकि वो इस सदन के पदेन सदस्य हैं। अब ये कहा जा रहा है कि क्या ये जनप्रतिनिधि कहीं इसलिए तो नहीं पहुंचे क्योंकि एजेंडे में पिछली बैठक का जिक्र नहीं था और जिस बैठक में ये मौजूद थे अगर उसका जिक्र नहीं है तो फिर इन्होंने भी निगम की बोर्ड बैठक में जाने की कोई फिक्र नहीं की। अब सवाल ये भी उठ रहा है कि जिन जनप्रतिनिधियों से ये उम्मीद थी कि वो सदन में आयेंगे और वो नहीं आये तो उनसे इस बात की क्या उम्मीद करें कि वो लखनऊ जाकर इस समस्या का समाधान करेंगे।

शासन से करेंगे बात लेकिन कब तक?

करंट क्राइम। 100 पार्षदों वाले सदन में बैठक में सर्वसम्मति से प्रस्ताव निरस्त कर दिया गया। सदन की सहमति से अधिकारियों ने असहमति जताई। निगम के पूर्व पार्षद कोर्ट पहुंच गये। सवाल यही उठा कि जनप्रतिनिधि ये कह रहे हैं कि हम लखनऊ जाकर चर्चा करेंगे। मेयर और नगर आयुक्त ने भी कहा कि वार्ता करेंगे। लेकिन लखनऊ कब जायेंगे, इस पर सस्पेंस है। ये भी कह गया कि फिलहाल बढ़ा हुआ हाउस टैक्स देना पड़ेगा। लखनऊ जाने को लेकर एक खामोशी है। इस हफ्ते जायेंगे। अगले हफ्ते जायेंगे या एक महीने बाद जायेंगे। समय अवधि कोई नहीं बता रहा। कब वहां बात करेंगे, इसकी तारीख भी नहीं पता है। हाउस टैक्स कितना कम होगा, होगा भी या नहीं, इसकी भी पुष्टि नहीं है। यही एक मुद्दा है और जनता के प्रतिनिधि इसी से बच रहे हैं।

08 Mar -26 page 4 07-03-2026 21:56 Page 1

संपादकीय

लैंगिक विविधता

इक्कीसवीं सदी के तीसरे दशक के मध्य तक पहुंच जाने के बाद भी भारतीय कंपनियों में लैंगिक विविधता यानी महिला और पुरुष का समान प्रतिनिधित्व अभी तक नहीं हो पाया है। कॉरपारेट कार्य मंत्रालय के अनुसार, इस वर्ष जनवरी में पंजीकृत निदेशकों में से 68 फीसदी पुरुष थे। मंत्रालय के नवीनतम बुलेटिन में बताया गया है कि यद्यपि ह्यनिदेशक पहचान संख्याह्न के लिए नए पंजीकरणों की संख्या में प्रति वर्ष वृद्धि हो रही है, फिर भी यह अनुपात पिछले चार वर्षों से एक जैसा है। इस मामले में निजी कंपनियां सरकारी कंपनियों से बेहतर प्रदर्शन कर रही हैं। सरकारी कंपनियों के निदेशकों में महिलाओं की हिस्सेदारी 20 फीसदी जबकि निजी कंपनियों में 29 फीसदी है। महारत्न और नवरत्न कंपनियों की बात करें तो स्थिति और भी खराब है। एक्सीलेंस एनेबलर्स द्वारा किए गए एक अध्ययन से पता चला है कि वित्त वर्ष 2025 में उच्च प्रदर्शन करने वाली सरकारी कंपनियों की इस श्रेणी में केवल 11 फीसदी महिला निदेशक थीं।

भारत में निजी कंपनियों को सामाजिक प्रगति का प्रतीक नहीं माना जाना जाता है। नियमों के अनुसार, 300 करोड़ रुपये से अधिक के सालाना कारोबार या 100 करोड़ रुपये या उससे अधिक की चुकता पूंजी वाली सूचीबद्ध कंपनियों में कम से कम एक महिला निदेशक का होना अनिवार्य है। कई कंपनियां प्रवर्तकों या उनके रिश्तेदारों को इस पद पर नियुक्त करके कानून का अक्षरश: यानी दिखावटी पालन करती हैं, न कि उसकी भावना के अनुरूप। बाद में, शीर्ष 1,000 सूचीबद्ध कंपनियों के लिए नियमों को सख्त किया गया ताकि कम से कम एक स्वतंत्र महिला निदेशक की नियुक्ति अनिवार्य हो सके। मार्च 2025 तक नैशनल स्टॉक एक्सचेंज में सूचीबद्ध लगभग 97 फीसदी कंपनियों के बोर्ड में कम से कम एक महिला निदेशक है। हालांकि इसे उत्साहजनक प्रगति के रूप में देखा जाना चाहिए, लेकिन आधे से अधिक कंपनियों में केवल एक महिला निदेशक है। यह तथ्य नियामकीय अनुपालन के प्रति दिखावटी दृष्टिकोण को दशार्ता है। फिर भी, भारत ने निस्संदेह प्रगति की है। सबसे हालिया आंकड़ों की तुलना वर्ष 2014 से की जानी चाहिए, जब लैंगिक विविधता कानून लागू हुआ था और उस समय महिला निदेशकों की संख्या कॉरपोरेट निदेशकों में केवल 5 फीसदी थी। दिलचस्प यह है कि इस मामले में भारत, चीन से आगे है। चीन में, राज्य के स्वामित्व वाली कंपनियों में बोर्ड की सीटों में महिलाओं की हिस्सेदारी केवल 13 फीसदी और निजी कंपनियों में 18 फीसदी है। पुरुष निदेशकों की तुलना में महिला निदेशकों की लगातार कमी का एक पहलू कार्य संस्कृति से संबंधित है। कई संगठनों में लैंगिक विविधता की कमी देखी जाती है, जहां प्रतिकूल सामाजिक परिवेश के कारण महिलाएं चुनौतीपूर्ण मध्य-प्रबंधन स्तरों पर भी नौकरी छोड़ देती हैं।

राशिफल

मेष: किसी अपने नजदीकी से कहासुनी हो सकती है। हृदय को ठेस पहुंच सकती है। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। काम में उत्साह की कमी रहेगी।

वृष: कम मेहनत से ही कार्यसिद्धि होगी। काफी समय से रुके कार्य पूर्ण होने से प्रसन्नता रहेगी। कार्य की प्रशंसा होगी। नौकरी में सहकर्मी साथ देंगे।

मिथुन: नए मित्र बनेंगे। नए कार्य प्रारंभ करने की योजना बनेगी। अच्छी खबर मिलने से प्रसन्नता रहेगी। पारिवारिक सहयोग प्राप्त होगा। आय में वृद्धि होगी।

कर्क: भाग्योन्नति के प्रयास सफल रहेंगे। यात्रा मनोनुकूल लाभ देगी। निवेश में सोच-समझकर हाथ डालें। नौकरी में कार्यभार रहेगा।

सिंह: व्ययवृद्धि होगी। बजट बिगड़ेगा। दूसरों से अपेक्षा पूरी नहीं होगी। कार्य की गति धीमी रहेगी। नौकरी में कार्यभार रहेगा। थकान व कमजोरी रह सकती है।

कन्या: रुका पैसा मिल सकता है। यात्रा में जल्दबाजी न करें। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। सभी कार्य पूर्ण व सफल रहेंगे।

तुला: आर्थिक नीति का परिवर्तन सुखद रहेगा। कई तरह के लाभ प्राप्त होंगे। किसी बड़े कार्य को करने की योजना बनेगी। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी।

वृश्चिक: शारीरिक कष्ट की आशंका प्रबल है अत: लापरवाही न करें। अध्यात्म तथा तंत्र-मंत्र में रुचि रहेगी। किसी विद्वान व्यक्ति का मार्गदर्शन प्राप्त होगा।

धनु: वाहन, मशीनरी व अग्नि आदि के प्रयोग में लापरवाही न करें। शारीरिक कष्ट संभव है। दूसरों के उकसाने में न आएं।

मकर: पारिवारिक मांगलिक कार्य का आयोजन हो सकता है। कुंआरों को वैवाहिक प्रस्ताव मिल सकता है। नौकरी में प्रमोशन इत्यादि मिल सकता है।

कुंभ: पार्टी व पिकनिक का आनंद मिलेगास्थायी संपत्ति की खरीद-फरोख्त से बड़ा लाभ हो सकता है। प्रॉपर्टी ब्रोकर्स समय का लाभ ले सकते हैं।

मीन: पठन-पाठन व लेखन आदि कामों में मन लगेगा। सफलता प्राप्त होगी। किसी प्रबुद्ध व्यक्ति का मार्गदर्शन प्राप्त होगा। मस्तिष्क में नए-नए विचार आएंगे।

महिला दिवस पर विशेष

भारत की भूली-बिसरी नारीवादी आवाजें

आठ मार्च की तारीख कैलेंडर में एक विशेष स्थान रखती है। इसे अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के रूप में मनाया जाता है, जिसका उद्देश्य महिलाओं के संघर्षों और उन नारीवादी आंदोलनों का सम्मान करना है जिन्होंने समान अधिकारों के लिए लड़ाई लड़ी। लेकिन जैसे ही 9 मार्च आता है, ये उत्सव धीरे-धीरे फीके पड़ जाते हैं और दुनिया चुपचाप उन्हीं पितृसत्तात्मक संरचनाओं में लौट जाती है, जिन्हें चुनौती देने के लिए ये संघर्ष किए गए थे। इसलिए भारत की उन भूली-बिसरी नारीवादियों को याद करना आवश्यक है—वे महिलाएँ जिनके बिना शायद अनगिनत लड़कियाँ कभी शिक्षा प्राप्त नहीं कर पातीं, विधवाओं को सम्मानपूर्वक जीने का अधिकार नहीं मिल पाता, और समाज के गहरे जमे दोहरे मानदंडों को शायद कभी चुनौती ही नहीं दी जाती।

भारत में जब नारीवाद की चर्चा होती है, तो अक्सर राजा राम मोहन राय, बी. आर. अंबेडकर, ज्योतिराव फुले, ईश्वर चंद्र विद्यासागर और रवीन्द्रनाथ टैगोर जैसे महान समाज सुधारकों के नाम सामने आते हैं। समाज में महिलाओं की स्थिति को बेहतर बनाने में उनका योगदान निस्संदेह अत्यंत महत्वपूर्ण रहा है। उन्होंने महिलाओं की शिक्षा का समर्थन किया, विधवा पुनर्विवाह की वकालत की और कई दमनकारी सामाजिक प्रथाओं को चुनौती दी। लेकिन इन चचाओं में जिन नामों का उल्लेख बहुत कम होता है, वे स्वयं उन महिलाओं के हैं जिन्होंने अपने समय में पितृसत्ता को चुनौती देने का साहस दिखाया। सावित्रीबाई फुले, पंडिता रमाबाई और ताराबाई शिंदे ऐसी ही आवाजें थीं, जिन्हें इतिहास में अक्सर पर्याप्त स्थान नहीं मिला। यह लेख इन्हीं उपेक्षित आवाजों को सामने लाने का प्रयास है।

यह सच है कि कई पुरुष समाज सुधारकों के प्रयासों के बिना उन्नीसवीं शताब्दी में कई सामाजिक परिवर्तन संभव नहीं हो पाते। राजा राम मोहन राय ने सती प्रथा जैसी कुप्रथाओं के विरुद्ध निरंतर अभियान चलाया और विधवा पुनर्विवाह के समर्थन में आवाज उठाई, जबकि ज्योतिराव फुले ने महिलाओं की शिक्षा और सामाजिक समानता को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इसी प्रकार बी. आर. अंबेडकर ने विशेष रूप से वंचित समुदायों से आने वाली महिलाओं के लिए कानूनी और सामाजिक अधिकारों की दृढ़ता से वकालत की। ईश्वर चंद्र विद्यासागर के योगदान को भी नहीं भुलाया जा सकता, जिन्होंने विधवाओं के अधिकारों की रक्षा के लिए महत्वपूर्ण प्रयास किए। फिर भी, इन योगदानों को स्वीकार करते समय हमें उन महिलाओं को अनदेखा नहीं करना चाहिए जिन्होंने स्वयं पितृसत्ता के विरुद्ध सशक्त आवाज उठाई और समाज में लैंगिक असमानता की कठोर वास्तविकताओं को उजागर किया।

सावित्रीबाई फुले भारत की पहली महिला शिक्षकों में से एक बनीं, लेकिन इस उपलब्धि तक पहुँचने का उनका मार्ग बिल्कुल आसान नहीं था। उन्हें शिक्षा प्राप्त करने के लिए उनके पति ज्योतिराव फुले ने प्रोत्साहित किया, जिन्हें स्वयं एक महिला की शिक्षा का समर्थन करने के कारण अपने परिवार के भीतर विरोध का सामना करना पड़ा। दोनों ने मिलकर समाज के वंचित वर्गों की लड़कियों के लिए एक स्कूल खोला, जहाँ उन्हें वह शिक्षा प्रदान की गई जो उस समय अधिकांश महिलाओं को नहीं मिलती थी। कहा जाता है कि सावित्रीबाई स्कूल जाते समय अपने साथ एक अतिरिक्त साड़ी लेकर चलती थीं, क्योंकि कई लोग सामाजिक मान्यताओं को चुनौती देने के कारण उन्हें डराने के लिए उन पर गोबर, पत्थर और कीचड़ फेंकते थे। इसके बावजूद उन्होंने पढ़ाना जारी रखा, क्योंकि उनका दृढ़ विश्वास था कि शिक्षा ही जाति और लैंगिक उत्पीड़न की जंजीरों को तोड़ने की पहली सीढ़ी है।

महिलाओं की शिक्षा के लिए सावित्रीबाई फुले का संघर्ष अपने आप में क्रांतिकारी था, लेकिन वे अपने समय के अन्यायों को चुनौती देने वाली अकेली महिला नहीं थीं। एक और शक्तिशाली, किंतु अक्सर अनदेखी की जाने वाली आवाज पंडिता रमाबाई की थी, जिन्होंने भारतीय समाज में महिलाओं द्वारा झेली जा रही कठोर वास्तविकताओं की ओर राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय ध्यान आकर्षित किया। पंडिता रमाबाई को हिंदू शास्त्रों के गहन ज्ञान और असाधारण विद्वत्ता के लिए ह्लपंडिताह्न की उपाधि दी गई थी। अपने समय की अधिकांश महिलाओं के विपरीत, उनका पालन-पोषण ऐसे परिवार में हुआ जहाँ शिक्षा को महत्व दिया जाता था और इसे केवल पुरुषों तक सीमित नहीं माना जाता था। रमाबाई ने अपने पिता से संस्कृत की शिक्षा प्राप्त की, जिनकी रूढ़िवादी परंपराओं को चुनौती देने की भावना ने उन्हें उन धार्मिक ग्रंथों से सीधे जुड़ने का अवसर दिया, जिनका उपयोग अक्सर महिलाओं की अधीनता को उचित ठहराने के लिए किया जाता था।

इसी सशक्त शैक्षिक आधार ने उन्हें धर्म के माध्यम से पितृसत्तात्मक मान्यताओं की आलोचना

जाह्नवी शिशोदिया

परिचय: जाह्नवी शिशोदिया दिल्ली विश्वविद्यालय में राजनीति विज्ञान की तृतीय वर्ष की छात्रा हैं। उन्हें भारत के सामाजिक सुधार आंदोलनों के इतिहास में गहरी रुचि है और वे नारीवाद तथा लैंगिक समानता के प्रश्नों के प्रति विशेष रूप से उत्साही हैं।

करने और यह तर्क देने की क्षमता दी कि महिलाओं का उत्पीड़न ईश्वरीय आदेश नहीं, बल्कि सामाजिक रूप से निर्मित व्यवस्था है। उनकी प्रभावशाली पुस्तक ह्लद हाई-कास्ट हिंदू वुमनह्न (1887) ने हिंदू समाज में बाल-विवाह और विधवाओं की पीड़ा को उजागर किया।

फिर भी, रमाबाई ही अकेली ऐसी महिला नहीं थीं जिन्होंने अपने समय के अन्यायों को चुनौती देने के लिए अपनी आवाज उठाई। एक और असाधारण लेकिन अपेक्षाकृत कम जानी जाने वाली हस्ती थीं ताराबाई शिंदे, जिनके निर्भीक लेखन ने समाज द्वारा महिलाओं पर थोपे गए नैतिक दोहरे मानदंडों पर सवाल उठाए। अपने प्रभावशाली ग्रंथ ह्लस्त्री-पुरुष तुलनाह्न (1882) के माध्यम से ताराबाई शिंदे ने न केवल समाज के दोहरे मानदंडों की आलोचना की, बल्कि अपने तर्कों को मजबूत करने के लिए रामायण और महाभारत जैसे ग्रंथों से उदाहरण भी प्रस्तुत किए। उस समय जब कई महिलाओं को सार्वजनिक रूप से अपने विचार व्यक्त करने से हतोत्साहित किया जाता था, शिंदे ने साहसपूर्वक उन सामाजिक मान्यताओं पर प्रश्न उठाए जो महिलाओं के जीवन को नियंत्रित करती थीं। उनका साहस और उनके लेखन की तीक्ष्णता इस बात की सशक्त याद दिलाते हैं कि भारत में प्रारंभिक नारीवादी आवाजों ने कितनी स्पष्टता और दृढ़ता के साथ पितृसत्ता का सामना किया।

पीढ़ियों तक भारत में सामाजिक सुधार की कहानी मुख्यतः प्रभावशाली पुरुष सुधारकों के योगदानों के माध्यम से ही सुनाई जाती रही है। यद्यपि उनके प्रयास अत्यंत महत्वपूर्ण रहे हैं, लेकिन उन्नीसवीं शताब्दी की उन साहसी महिलाओं को याद रखना भी उतना ही आवश्यक है जिन्होंने अपनी स्वयं की आवाज में पितृसत्ता को चुनौती दी। इसलिए सावित्रीबाई फुले, पंडिता रमाबाई और ताराबाई शिंदे जैसी हस्तियों को याद करना केवल अतीत का सम्मान करना नहीं है, बल्कि यह सुनिश्चित करना भी है कि उनके साहस की भावना केवल 8 मार्च तक सीमित न रह जाए, बल्कि उसके बाद आने वाले हर दिन असमानता को चुनौती देती रहे।

सोना 1100 रुपये टूटकर 1.64 लाख रुपए पर

नई दिल्ली। नई दिल्ली के सराफा बाजार में शुक्रवार को सोने और चांदी की कीमतों में लगातार दूसरे दिन गिरावट दिखी। ऊंचे स्तरों पर कारोबारियों की ओर से मुनाफावसूली करने के कारण सोने का भाव 1,100 रुपये टूटकर 1.64 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम पर आ गया है। वहीं, चांदी की कीमतों में भी नरमी देखने को मिली है और यह 2.71 लाख रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर आ गई है।

क्या कह रहे घरेलू सराफा बाजार के आंकड़े? : अखिल भारतीय सराफा संघ के आंकड़ों के अनुसार, 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाले सोने की कीमत लगभग 1 प्रतिशत (1,100 रुपये) गिरकर 1,64,100 रुपये प्रति 10 ग्राम (सभी करों सहित) हो गई है। इसी तरह, चांदी की कीमत भी 600 रुपये की गिरावट के साथ 2,71,700 रुपये प्रति किलोग्राम (सभी करों सहित) पर पहुंच गई है। विश्लेषकों का मानना है कि कीमती धातुओं की कीमतों में हालिया तेज उछाल के बाद कारोबारियों ने अपना मुनाफा सुरक्षित किया है, जिसके कारण यह गिरावट आई है।

बाजार में गिरावट का प्रमुख कारण क्या? : बाजार में आई इस गिरावट के पीछे कई वैश्विक और आर्थिक कारण शामिल हैं:

एचडीएफसी सिक्योरिटीज के वरिष्ठ कमोडिटी विश्लेषक सौमिल गांधी के अनुसार, इस सप्ताह मजबूत अमेरिकी डॉलर, बढ़ती ट्रेजरी यील्ड और फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दरों में कटौती की उम्मीदें कम होने के कारण सोने और चांदी में दबाव देखा गया।

इन आर्थिक कारकों ने मध्य पूर्व के संघर्ष से उत्पन्न होने वाली सुरक्षित निवेश की मांग को भी पीछे छोड़ दिया है। निवेशकों ने लगातार चौथे दिन गोल्ड-बैक्ड एक्सचेंज ट्रेडेड फंड से अपना निवेश निकाला है, जिससे नवीनतम सत्र में 93,479 ट्रॉय औंस की निकासी हुई है। यह 6 फरवरी के बाद से सबसे लंबी निकासी की अवधि है, जो कमजोर निवेश मांग को दशार्ती है।

'भारत का उदय अपनी ताकत से होगा' : जयशंकर

नई दिल्ली। 'भारत अपना रास्ता स्वयं निर्धारित करेगा।' विदेश मंत्री सुब्रमण्यम जयशंकर ने रायसीना डायलॉग के दौरान यह बात कही। उन्होंने जोर देकर कहा कि देश की वृद्धि उसकी अपनी घरेलू क्षमताओं और लचीलेपन पर आधारित है। जयशंकर ने साफ किया कि भारत का उदय उसकी अपनी ताकत से तय होगा, न कि दूसरों की गलतियों से। भारत हिंद महासागर क्षेत्र के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

अमेरिका को विदेशी मंत्री की दो टूक : विदेशी मंत्री ने कहा, ₹भारत का उदय भारत ही तय करेगा। यह हमारी ताकत से तय होगा, न कि दूसरों की गलतियों से।₹ विदेश मंत्री जयशंकर का यह बयान अमेरिकी विदेश उप मंत्री के उस बयान के एक दिन बाद आया है जिसमें उन्होंने कहा था कि अमेरिका भारत के साथ व्यापार मामले में दो दशक पहले हुई चीन जैसी गलती नहीं करेगा। जयशंकर ने कहा कि हिंद महासागर के लिए संसाधनों, कार्यों, प्रतिबद्धताओं और व्यावहारिक परियोजनाओं से समर्थन मिलना चाहिए।

भारत इस क्षेत्र के केंद्र में है और भारत के मजबूत होने से हिंद महासागर के अन्य देशों को लाभ होगा। जयशंकर ने हिंद महासागर क्षेत्र को एक पारिस्थितिकी तंत्र बताया जो फिर से नया स्वरूप लेने और पुनर्निर्माण की प्रक्रिया में है। उन्होंने कहा कि पिछले एक दशक में भारतीय कूटनीति ने इस प्रक्रिया में बहुत निवेश किया है।

चुटकुले

टीचर - एक टोकरी में 10 आम थे 3 सड़ गए तो कितने आम बचे ?
बन्टू - 10
टीचर - अरे मूर्ख 10 कैसे बचेंगे ?
बन्टू - सड़े हुए आम कहां जाएंगे, सड़ने से केले थोड़ी बन जाएंगे।

सुबह-सुबह पत्नी नींद से उठते ही बोली, 'अजी सुनते हो?'
पति- 'बोलो! क्या हुआ?'
पत्नी - 'मुझे सपना आया कि आप मेरे लिए हीरों का हार लेकर आए हो।'
पति - ठीक है, तो वापिस सो जा और पहन ले।'

बंटू - जैसे-जैसे उम्र बढ़ती है, दिन-प्रतिदिन इंसान रईस बनता जाता है।
घंटु - वो कैसे ?
बंटू - बूढ़े होने पर चांदी बालों में, सोना दाँतों में, मोती आखों में
शुगर खून में और महंगे पत्थर किडनी में पाए जाने लगते हैं।

रोचक तथ्यों का करंट

- यदि आपके मांसपेशियों में कसरत के बाद परेशानी होती है, तो तरबूज आपकी इस समस्या को हल कर सकता है। यह फल इलेक्ट्रोलाइट्स और एमिनो एसिड साइट्रूलाइन से भरा हुआ होता है, जो भारी कसरत के बाद दर्द की मांसपेशियों को शांत करने में मदद करता है। और एक ईरानी अध्ययन के अनुसार, तरबूज में साइट्रूलाइन मांसपेशियों की थकान को कम करने में मदद कर सकता है।
- तरबूज में कई पोषक तत्व आपके बालों और त्वचा के लिए अच्छे हैं। कुछ त्वचा को सुदृढ़ रखने में मदद करते हैं जबकि अन्य धूप की रोशनी के खिलाफ सुरक्षा करते हैं।
- स्वस्थ पाचन के लिए फाइबर और पानी महत्वपूर्ण हैं। और तरबूज में ये दोनों शामिल हैं।
- क्यूक्रबिटैसीन ई और लाइकोपीन समेत तरबूज में कुछ यौगिकों का अध्ययन कैंसर को रोकने की उनकी क्षमता के लिए किया गया है।
- शोध के अनुसार, हर दिन तरबूज का एक टुकड़ा खराब कोलेस्ट्रॉल के संचय को रोक सकता है, जिससे दिल की बीमारी को रोका जा सकता है।
- तरबूज में एक उच्च पानी की सामग्री है। यह इसे हाइड्रेटिंग बनाता है और आपको पूर्ण महसूस करने में मदद करता है।
- लाइकोपीन और विटामिन सी तरबूज में पाए जाने वाले विरोधी भड़काऊ एंटीऑक्सीडेंट हैं। जो सूजन और कई पुरानी बीमारियों से जुड़ा हुआ है।

प्रिय पाठकों,
आप भी हमें भेज सकते हैं अपनी लिखी हुई कविता, चुटकुले, विचार, आर्टिकल या शहर से जुड़ी हुई कोई भी समस्या। हम उसे प्रमुखता से प्रकाशित करेंगे।

करंट क्राइम
K-4, A-Block, Govindpuram Commercial Area, Near LG Showroom, Ghaziabad, Mob 09899655497
Email: currentcrimenews@gmail.com
Website: www.currentcrime.com

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक व सम्पादक मनोज कुमार ने ए.जी.एस. पब्लिकेशन, एफ-23, सैक्टर-6, नोएडा-201301 (गौतमबुद्धनगर) उत्तर प्रदेश से छपवाकर कार्यालय 'करंट क्राइम' बी-2बी/295, जनकपुरी, नई दिल्ली-110058 से प्रकाशित किया। R.N.I NO. DELHIN/2015/65364

सम्पादक : मनोज कुमार
समाचार संपादक दीपक भाटी
संरक्षक : राकेश यादव, विवेक भाटी

दैनिक करंट क्राइम
समाचार पत्र में किसी भी तरह के डिस्प्ले एवं वर्गीकृत विज्ञापन (खोया-पाया, संबंध-विच्छेद, कोर्ट नोटिस, जीडीए सूचना, नाम परिवर्तन) आदि के लिए निम्न फोन नंबर एवं पते पर संपर्क करें।
संपर्क : के-2, ए ब्लॉक, कॉमर्शियल मार्केट, गोविन्दपुरम, गाजियाबाद
मो. : 9818606318 (हरीश कुमार)
8630290003 (विष्णु गुप्ता)

08 03 2026 करंट क्राइम

जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं

आज के जन्मदिन

सेलेब्रिटी जन्मदिन

फरदीन खान (अभिनेता)

नव्याश्री, निपुण, पंडित प्रत्यक्ष शर्मा, आंचल सिंह, नीता
नीता बोध, रिंकी गोयल, निशांत गुप्ता, भरत सक्सेना, प्रदीप सोलंकी
आकाश मलिक, शिवम सूर्यवंशी, गौतम पांडेय, पंकज त्यागी, राजकुमार चौधरी, वकील अहमद, हनी आहूजा
निशांत त्यागी, मनोज चौहान, सुरेंद्र कुमार गुप्ता, अमित चौहान, अमित धामा, लोकेश भट्ट, सुशील भाटी
सुशील शर्मा, श्लोक, मनोज शर्मा, रामशंकर वर्मा

सूचना : आप भी अपने जन्मदिन को विशेष बना सकते हैं। अपना फोटो नाम के साथ हमें नीचे लिखे ईमेल पर भेजें। हम उसे दैनिक करंट क्राइम में स्थान देंगे।
Email : currentcrimenews@gmail.com

08 Mar -26 page 5 07-03-2026 21:56 Page 1

दैनिक करंट क्राइम के पाठकों ने होली के रंगों को हमारे साथ किया साझा

नई दिल्ली | दैनिक करंट क्राइम
06 | रविवार • 08 मार्च -2026

गाजियाबाद आसपास

पारस अग्रवाल और दिशा बंसल का सगाई समारोह हुआ धूमधाम से सम्पन्न

गाजियाबाद, करंट क्राइम। सुनील अग्रवाल तथा गीता अग्रवाल के सुपुत्र पारस अग्रवाल का सगाई समारोह नंदकिशोर बंसल और आरती बंसल की सुपुत्री दिशा बंसल के साथ धूमधाम से सम्पन्न हुआ। भाजपा नेता तथा वरिष्ठ व्यापारी नेता अनिल अग्रवाल सांवरिया के परिवार में हुए इस शुभ आयोजन में समाज के गणमान्य लोग पहुंचे और आशीर्वाद प्रदान किया। विवाह समारोह 10 मार्च को वेदांता में सम्पन्न हुआ।

महिला दिवस पर सड़कों पर उतरेगा नारी शक्ति का कारवां

90 से ज्यादा शहरों में कैंसर और थैलेसीमिया के खिलाफ महाअभियान

गाजियाबाद, करंट क्राइम। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर इस बार भारत की सड़कें केवल उत्सव की गवाह नहीं बनेंगी, बल्कि एक बड़े स्वास्थ्य आंदोलन की नींव रखेंगी। जैन इंटरनेशनल ट्रेड ऑर्गेनाइजेशन लेडीज विंग द्वारा आयोजित "IIFL Drive with Purpose – National Car Rally" के माध्यम से देश भर की हजारों महिलाएँ थैलेसीमिया और कैंसर के प्रति जागरूकता का बिगुल फूंकेंगी। यह मेगा इवेंट भारत के 90 से अधिक शहरों में एक साथ आयोजित किया जा रहा है। आयोजन की भव्यता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि प्रत्येक शहर में 50 से अधिक कारें इस रैली का हिस्सा होंगी। आयोजकों का लक्ष्य इस समन्वित प्रयास के जरिए 'इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स' में अपना नाम दर्ज कराना है। यह अभियान केवल एक रैली तक सीमित नहीं है। रैली के दौरान विभिन्न शहरों में विशेषज्ञों द्वारा जागरूकता सत्र आयोजित किए जाएंगे, जिनमें:

थैलेसीमिया कैरियर स्क्रीनिंगः भावी पीढ़ी को इस गंभीर बीमारी से बचाने के लिए जांच पर जोर।

कैंसर की शीघ्र पहचानः शुरूआती लक्षणों को पहचानने और समय पर इलाज शुरू करने की जानकारी।

स्वास्थ्य शिविरः कई केंद्रों पर मौके पर ही स्वास्थ्य जांच की सुविधा प्रदान की जाएगी।

इस अभियान को और अधिक प्रभावशाली बनाने के लिए प्रसिद्ध अभिनेत्री और ब्रेस्ट कैंसर सर्वाइवर लीसा रे विशेष रूप से उपस्थित रहेंगी। उनका संघर्ष और जीत कैंसर की समय पर पहचान की जीवनरक्षक शक्ति का जीवंत उदाहरण पेश करेगा। जेआईटीओ एपेक्स के प्रेसिडेंट विजय भंडारी ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि स्वास्थ्य जागरूकता एक प्रगतिशील समाज की नींव है। वहीं, नेशनल चेयरपर्सन (जेएलडब्ल्यू) शीतल दुगर और डीआईसी एपेक्स जेएलडब्ल्यू सोनाली दुगर ने विश्वास जताया कि जब महिलाएँ किसी उद्देश्य के लिए एकजुट होती हैं, तो समाज में वास्तविक परिवर्तन आता है। इस राष्ट्रीय अभियान को IIFL Capital, Times of India (मीडिया पार्टनर), JK Tyre, Haldiram's और Micro Labs जैसे प्रतिष्ठित संस्थानों का सहयोग प्राप्त है। नॉर्थ जोन में मुख्य कार्यक्रम का नेतृत्व रमन जैन, विकाश जैन और सुरभि जैन कर रहे हैं, जबकि प्रोजेक्ट कन्वीनर रचना कानुगो इसे ऐतिहासिक बनाने में जुटी हैं। 8 मार्च को होने वाली यह रैली संदेश देगी कि भारत अब केवल 'सेलिब्रेट' नहीं करेगा, बल्कि एक स्वस्थ भविष्य के लिए 'ड्राइव' भी करेगा।

भाजपा नेता ईश्वर मावी ने आईएएस कोमल मावी को दी बधाई

लोनी, करंट क्राइम। भाजपा नेता ईश्वर मावी ने यूपीएससी परीक्षा में सफलता प्राप्त करने वाली लोनी के ग्राम अफजलपुर निवासी कोमल मावी को उनके घर पहुंच कर बधाई दी। बता दें कि कोमल मावी ने अपने पहले ही प्रयास में यूपीएससी की परीक्षा पास की थी जिसमें उनकी रैंक 661 थी जिससे वह संतुष्ट नहीं थीं और उन्होंने दोबारा से यूपीएससी की परीक्षा दी जिसमें वह अब 314 रैंक प्राप्त कर आईएएस बनीं हैं।

भाजपा नेता ईश्वर मावी ने बताया कि उनके पिता जसराम मावी ने अपने तीनों बच्चों को पढ़ा लिखाकर उच्च पदों पर बैठाने का जो सपना देखा था उसे उनकी बड़ी बेटी कोमल मावी ने पूरा कर दिखाया है।

भाजपा नेता ईश्वर मावी ने कहा कि कोमल मावी ने लोनी क्षेत्र के साथ साथ अपने गांव, प्रदेश और देश का नाम रोशन किया है इसके लिए वह कोमल मावी और उनके माता पिता को भी बधाई देते हैं। इस मौके पर उनके साथ एडवोकेट सतवीर सिंह गुर्जर, आलोक गुर्जर, सतवीर मावी, बृजपाल मावी, सतेंद्र बैसला आदि ने कोमल मावी को बधाई दी।

इफ्तार पार्टी में खूनी संघर्ष, प्रधानी रंजिश में चले ईंट-पत्थर, 10 के सिर फटे

मोदीनगर, करंट क्राइम। थाना भोजपुर के ग्राम नाहाली में शुक्रवार शाम एक इफ्तार पार्टी रणक्षेत्र में बदल गई। प्रधानी चुनाव की पुरानी रंजिश को लेकर दो पक्षों के बीच हुई कहासुनी ने हिंसक रूप ले लिया। लगभग 30 मिनट तक हुई भारी पत्थरबाजी और लाठी-डंडों के प्रहार से 10 लोगों के सिर फट गए, जबकि कई अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए।

विवाद का मुख्य कारण प्रधानी चुनाव को लेकर अहसान चौधरी और आकिल नंबरदार के गुटों के बीच चल रहा तनाव बताया जा रहा है। आरोपी अहसान चौधरी चार हत्याओं का दोषी है और 27 साल जेल में बिताने के बाद हाल ही में पैरोल पर बाहर आया था प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, फरीदनगर के दरोगा संजय कुमार हिंसा रोकने के बजाय मोबाइल से वीडियो बनाते रहे स्थिति बिगड़ते देख गांव में पीएसी (ढअउ) और अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया है। एसीपी भास्कर वर्मा ने बताया कि पुलिस ने 6 उपद्रवियों को हिरासत में लिया है। वायरल वीडियो और साक्ष्यों के आधार पर अन्य हमलावरों की पहचान की जा रही है। दोषियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

सिटी जोन में किस थाने में होगा अब बड़ा खाना

पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद वाले सिस्टम में जहां नदिया पार के थानों में बड़े खाने के मामले में सबसे अव्वल चल रहे हैं। तो देहात के भी दो थाने शामिल हो चुके हैं लेकिन इन सबके बीच जानकारी मिल रही है कि मार्च वाले महीने में सिटी जोन के एक थाने का नंबर आ सकता है। सूत्रों के द्वारा बताया जा रहा है कि जिस तरीके से निर्माण वाला कार्य चल रहा है, उसमें सिटी जोन के तीन प्रमुख थानों का नंबर लगा हुआ है। इसमें मुख्यालय के सबसे अटेंशन और टेंशन वाले थाने से लेकर लाइन पार और शहर के सेंटर वाले थाने में निर्माण का काम चल रहा है। बताया जा रहा है की सबसे टेंशन और अटेंशन वाले थाने को लेकर इसलिए महत्व दिया जा रहा है, क्योंकि वह मुख्यालय का भी थाना है। कहा जा रहा है यहां बड़ा खाना होगा, जिसमें सभी अधिकारी और तीनों जोन के डीसीपी स्तर के अधिकारी पहुंचेंगे। तो वहीं मीडिया और प्रबुद्ध लोगों को भी इसमें आमंत्रित किया जाएगा। जानकारी मिल रही है कि वैसे तो इसका निर्माण कार्य हो जाना चाहिए था लेकिन काम विस्तृत हो गया, जिसकी वजह से देरी हो गई है। तो वहीं जानकारी मिली है की क्राइम वाले काम को भी फाइनल रूप देने की तैयारी शुरू हो गई है। कैफेटेरिया का काम भी लगभग आधे से अधिक कंप्लीट हो चुका है। तो वहीं शिवजी वाली मूर्ति प्लेस लगनी थी उसके लिए स्ट्रक्चर तैयार कर लिया गया है। जल्द ही इसका भी शुभारंभ होगा। तो वहीं क्राइम वाले ब्रांच में भी मंदिर का निर्माण तेज गति से चल रहा है। यहां खेल के मैदान को भी सुसज्जित किया जा रहा है। बताया जा रहा है कि पुलिसकर्मियों की फिटनेस को ध्यान में रखते हुए यहां खेल के मैदान को भी बेहद आकर्षक रूप दिया जाएगा। जिस तरीके से साहब ने कमिश्नरेट वाले सिस्टम में आने के बाद इंफ्रास्ट्रक्चर, कार्यालयों के कलर और पुलिसकर्मियों के व्यवहार को बदलने का काम किया है, तो कहा जा रहा है कि जल्द ही सिटी जोन के सबसे टेंशन और अटेंशन वाले थाने में बड़े खाने के लिए निमंत्रण भेजा जाएगा। अब देखना होगा कि उसमें क्या किसी जनप्रतिनिधि को बुलाया जाएगा और कौन-कौन इस कार्यक्रम का हिस्सा बनेगा। कुल मिलाकर पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद वाले सिस्टम में बड़े खाने के मामले में नदिया पार वाले अव्वल चल रहे हैं। अब देखना होगा सिटी के किस थाने से यहां की शुरूआत होती है।

संपूर्ण समाधान दिवस का आयोजन, वकीलों ने की चैंबर की मांग

मोदीनगर, करंट क्राइम। तहसील में शनिवार को संपूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया। इस दौरान एसडीएम अजीत कुमार सिंह ने जन शिकायतें सुनीं। तहसील के वकीलों ने तहसील में चैंबरों की संख्या बढ़ाने की मांग को लेकर पुनः ज्ञापन सौंपा। वकीलों ने बताया कि चैंबर न होने के कारण उन्हें खुले में बैठकर काम करना पड़ता है, जिससे वादकारियों की गोपनीयता भंग होती है। इस पर उपजिलाधिकारी ने शीघ्र ही कार्रवाई का आश्वासन दिया है।

इस दौरान वकीलों में प्रमुख रूप से एडवोकेट राकेश कुमार वरिष्ठ, उपाध्यक्ष एडवोकेट अजीत कुमार, कनिष्ठ उपाध्यक्ष एएडवोकेट अरुण भारद्वाज, सचिव एडवोकेट सौरव मुद्गल, अनुराग गुप्ता, एडवोकेटए सचिन शर्मा, एडवोकेट रविंद्र चैधरी, एडवोकेट राजकुमार गुप्ता आदि अधिवक्ता उपस्थित थे। इसके अलावा भूमि की पैमाईश, राशन कार्ड व बिजली, पानी, वृद्वावस्था पेंशन आदि से संबन्धित कुल 99 शिकायतें आई। जिसमें से तीन का मौके पर ही निस्तारण कर दिया गया। तहसील दिवस में तहसील अधिकारियों के अलावा विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

ऊंची सड़क का नाम स्वतंत्रता सेनानी सूरजपाल आर्य के नाम पर रखने की मांग

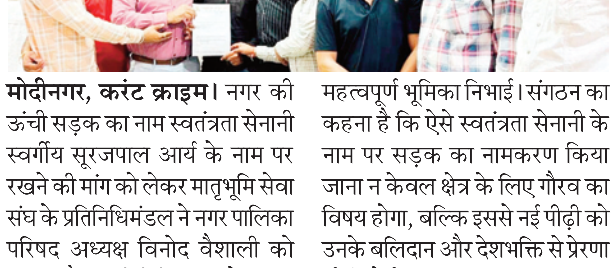

मोदीनगर, करंट क्राइम। नगर की ऊंची सड़क का नाम स्वतंत्रता सेनानी स्वर्गीय सूरजपाल आर्य के नाम पर रखने की मांग को लेकर मातृभूमि सेवा संघ के प्रतिनिधिमंडल ने नगर पालिका परिषद अध्यक्ष विनोद वैशाली को ज्ञापन सौंपा। प्रतिनिधिमंडल ने सड़क का नाम स्वतंत्रता सेनानी स्वः सूरजपाल आर्य मार्ग घोषित करने की मांग करते हुए इसे ऐतिहासिक सम्मान से जोड़ने की आवश्यकता बताई।

ज्ञापन में कहा गया कि भूपेंद्रपुरी कॉलोनी निवासी सूरजपाल आर्य स्वतंत्रता संग्राम के सक्रिय सेनानी रहे। जिन्होंने अंग्रेजी शासन के विरुद्ध आंदोलन में भाग लेते हुए जेल यात्राएं कीं और देश की आजादी के संघर्ष में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। संगठन का कहना है कि ऐसे स्वतंत्रता सेनानी के नाम पर सड़क का नामकरण किया जाना न केवल क्षेत्र के लिए गौरव का विषय होगा, बल्कि इससे नई पीढ़ी को उनके बलिदान और देशभक्ति से प्रेरणा भी मिलेगी।

नगर पालिका अध्यक्ष विनोद वैशाली ने प्रतिनिधियों को आश्वस्त किया कि प्रस्ताव को नगर पालिका परिषद की बोर्ड बैठक में भेजा जाएगा और उसे पारित कराने का प्रयास किया जाएगा। इस दौरान विकास भारतीय, मोहित सोनी, नीरज शर्मा, पवन चैधरी, सिद्धार्थ ठाकुर, तेजा सिंह व प्रकाश बोहरा सहित अन्य कार्यकर्ता मौजूद रहे।

अतिक्रमण हटाने के बाद विवाद गहराया संगठन ने प्रशासन को सौंपा ज्ञापन

मोदीनगर, करंट क्राइम। स्थानीय गोयलपुरी कॉलोनी में अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई के बाद विवाद ने नया मोड़ ले लिया है। पुरुषार्थ क्रांतिकारी संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष राजेंद्र कौशिक ने सम्पूर्ण समाधान दिवस के दौरान उपजिलाधिकारी अजीत सिंह को ज्ञापन सौंपकर कॉलोनीवासियों के खिलाफ झूठे मुकदमे दर्ज न किए जाने की मांग की। ज्ञापन में आरोप लगाया गया है कि नगर पालिका परिषद द्वारा करीब ढाई माह पूर्व तोड़ी गई अवैध दीवार का मलबा अभी तक मौके पर ही पड़ा हुआ है। इस बीच कथित अतिक्रमणकर्ता कैलाश चंद गुप्ता पर मोहल्ले की महिलाओं के साथ अभद्र भाषा का प्रयोग करने और पुलिस प्रशासन पर कॉलोनीवासियों के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कराने का दबाव बनाने का आरोप लगाया गया है। संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष रविंद्र कौशिक ने प्रशासन को चेतावनी दी है कि यदि किसी भी निवासी के खिलाफ दबाव में आकर झूठा मुकदमा दर्ज किया गया तो संगठन गोयलपुरी के निवासियों के साथ तहसील परिसर में अनिश्चितकालीन धरना-प्रदर्शन करने को बाध्य होगा। बता दें कि इससे पूर्व गत वर्ष 18 दिसंबर को संगठन के प्रयासों के बाद प्रशासन ने गोयलपुरी की गली नंबर चार में वर्षों से चले आ रहे अतिक्रमण को हटाया था। एसडीएम के निर्देश पर पालिका प्रशासन ने पुलिस बल की मौजूदगी में सरकारी भूमि से अवैध कब्जा हटवाया थाए जिससे स्थानीय निवासियों को काफी राहत मिली थी।

पोस्ट ऑफ द डे

प्रस्तुति करंट क्राइम

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। समरकूल चेयरमैन संजीव गुप्ता का एक अंदाज है कि वो हमेशा अपनी हर पोस्ट से कभी कारोबार तो कभी परिवार का एक संदेश देते हैं। जीवन में व्यापारिक समूह हो या परिवार को सभी को एक मुखिया की तरह लेकर चलना वो जानते हैं। अपनी इस पोस्ट के जरिये उन्होंने यही संदेश दिया। समरकूल चेयरमैन संजीव गुप्ता की यह पोस्ट बनी करंट क्राइम पोस्ट ऑफ द डे।

दैनिक करंट क्राइम के पाठकों ने होली के रंगों को हमारे साथ किया साझा

पिंकी - हनी

स्पोर्ट्स

बुमराह को लेकर न्यूजीलैंड के ड्रेसिंग रूम में हुई है चर्चा

अहमदाबाद। भारतीय टीम के स्टार अनुभवी तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह किसी भी वक्त मैच का रुख पलट सकते हैं। न्यूजीलैंड की टीम भी इस बात से पूरी तरह परिचित हैं। कीवी टीम के कप्तान मिचेल सैंटनर ने बुमराह की जमकर तारीफ की है।

न्यूजीलैंड के कप्तान मिचेल सैंटनर ने शनिवार को कहा कि भारत के खिलाफ टी20 विश्व कप के फाइनल से पहले जसप्रीत बुमराह जैसी काबिलियत वाले गेंदबाज का नाम उनकी टीम की रणनीतिक चचाओं में आना स्वाभाविक है। बुमराह इस टी20 विश्व कप में शानदार फॉर्म में हैं

और सेमीफाइनल में इंग्लैंड के खिलाफ उनके डेथ ओवर के प्रदर्शन को अब तक की यादगार गेंदबाजी में गिना जा रहा है।

सैंटनर ने किया आगाह

सैंटनर ने साथ ही चेतावनी भी दी कि केवल बुमराह पर ध्यान देना मूर्खतापूर्ण होगा क्योंकि कई भारतीय खिलाड़ी अलग-अलग मैचों में अहम भूमिका निभा चुके हैं। सैंटनर ने कहा, बुमराह मुझे लगता है कि वह जिस तरह से खेल रहे हैं, उनका नाम हर चर्चा में होना चाहिए। इंग्लैंड के खिलाफ उनकी गेंदों को हिट करना काफी मुश्किल लग रहा था और निश्चित रूप से वह भारत के लिए गेम चेंजर हैं। हमें पता था कि बुमराह हमेशा अच्छा प्रदर्शन करेंगे। वह स्पष्ट रूप से एक विश्व-स्तरीय गेंदबाज हैं। लेकिन सिर्फ वह ही नहीं, टीम के हर सदस्य ने अलग समय पर योगदान दिया है और बतौर टीम, आप इसी तरह होना चाहते हैं।

कीवी कप्तान ने वरुण से सावधान रहने कहा

जहां तक वरुण चक्रवर्ती का सवाल है तो उनके लिए यह टूनार्मेंट उनके मानकों के अनुसार खराब रहा है लेकिन फिर भी सैंटनर मानते हैं कि फाइनल में तमिलनाडु का यह गेंदबाज अपनी मिस्ट्री गेंदबाजी से फिर कमाल कर सकते हैं। क्या वरुण के खराब फॉर्म होने से न्यूजीलैंड को मानसिक बढ़त मिलेगी? सैंटनर ने स्पष्ट रूप से कहा, नहीं मुझे ऐसा नहीं लगता। हम सभी जानते हैं कि वह कितने अच्छे गेंदबाज हैं।

रोनाल्डो की चोट कितनी गंभीर, क्या फीफा विश्वकप में नहीं खेलेंगे

लिस्बन। क्रिस्टियानो रोनाल्डो की चोट की गंभीरता ने न केवल अल-नस्त्र बल्कि पुर्तगाल की राष्ट्रीय टीम के लिए भी चिंता बढ़ा दी है। उनके शीघ्र स्वस्थ होने और मैदान पर वापसी की उम्मीद की जा रही है, लेकिन तब तक उनके आगामी महत्वपूर्ण मैचों में खेलने पर प्रश्नचिन्ह बना हुआ है।

अल-नस्त्र के कोच जॉर्ज जीसस ने कहा कि क्रिस्टियानो रोनाल्डो की हैमस्ट्रिंग की चोट जितना अनुमान लगाया जा रहा था उससे अधिक गंभीर है। इस चोट के कारण 41 वर्षीय रोनाल्डो का पुर्तगाल की तरफ से आगामी मैत्री मैचों में खेलना भी संदिग्ध है।

यह स्टार फुटबॉलर पिछले सप्ताहांत अल-नस्त्र की सऊदी प्रो लीग में अल-फायहा पर 3-1 से मिली जीत के दौरान लंगड़ाते हुए मैदान से बाहर चला गया था। जीसस ने शुक्रवार को पत्रकारों से कहा, 'पिछले मैच में क्रिस्टियानो को मांसपेशियों में खिंचाव के कारण मैदान छोड़ना पड़ा था। अब जांच से यह स्पष्ट हो गया है कि हमने जितना अनुमान लगाया था उनकी चोट उससे अधिक गंभीर है।'

उन्होंने कहा, 'उन्हें आराम करने और उचित उपचार करने की जरूरत है। क्रिस्टियानो इलाज के लिए स्पेन जाएंगे। उन्हें अपने निजी फिजियोथेरेपिस्ट से इलाज करवाना होगा। हमें उम्मीद है कि वह जल्द ही टीम में वापसी करेंगे।'

पुर्तगाल विश्व कप की अपनी तैयारी के तहत 28 मार्च को मैक्सिको के खिलाफ मैक्सिको सिटी में और इसके बाद एक अप्रैल को अमेरिका के खिलाफ अटलांटा में मैत्री मैच खेलेगा। उन्होंने अल नस्त्र की तरफ से इस सत्र में 22 लीग मैच में 21 गोल किए हैं।

भारत की बल्लेबाजी दमदार न्यूजीलैंड की गेंदबाजी में धार

फाइनल में किसका पलड़ा रहेगा भारी

अहमदाबाद। टी-20 विश्व कप 2026 के फाइनल में भारत और न्यूजीलैंड आमने-सामने होंगे। भारत के बल्लेबाज शानदार फॉर्म में हैं, जबकि न्यूजीलैंड की गेंदबाजी पूरे टूनार्मेंट में मजबूत रही है। ऐसे में अहमदाबाद में होने वाला खिताबी मुकाबला भारत की ताकतवर बल्लेबाजी और न्यूजीलैंड की घातक गेंदबाजी के बीच दिलचस्प टक्कर साबित हो सकता है।

भारत और न्यूजीलैंड के बीच टी20 विश्व कप 2026 का फाइनल मुकाबला रविवार यानी आठ मार्च को अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेला जाएगा। दोनों टीमें खिताब से सिर्फ एक कदम दूर हैं, लेकिन दोनों के सफर और ताकत में साफ फर्क दिखाई देता है। एक तरफ भारत की बल्लेबाजी टूनार्मेंट में शानदार लय में रही है, तो दूसरी ओर न्यूजीलैंड के गेंदबाजों ने पूरे विश्व कप में दमदार प्रदर्शन किया है। ऐसे में फाइनल मुकाबला बल्लेबाजी बनाम गेंदबाजी की दिलचस्प टक्कर बन सकता है। टीम इंडिया की बात करें तो बल्लेबाजी उसका सबसे बड़ा हथियार बनकर उभरी है। सैमसन चार मैचों में 201 के स्ट्राइक रेट से 232 रन बना चुके हैं, जबकि ईशान किशन ने आठ मुकाबलों में 189 के स्ट्राइक रेट से 263 रन ठोके हैं। कप्तान सूर्यकुमार यादव ने भी 242 रन बनाए हैं। हालांकि, अहम मौकों पर उनका जल्दी आउट होना चिंता का विषय रहा है। तिलक वर्मा को फिनिशर की भूमिका में भेजने का फैसला भी टीम के लिए फायदेमंद साबित हुआ है।

बुमराह के अलावा नहीं चला कोई गेंदबाज

हालांकि, भारत के लिए चिंता की सबसे बड़ी वजह गेंदबाजी रही है। जसप्रीत बुमराह को छोड़ दें तो बाकी गेंदबाज उतना प्रभाव नहीं छोड़ पाए हैं। बुमराह ने सात मैचों में 10 विकेट लेकर 6.62 की शानदार इकोनॉमी से गेंदबाजी की है।

न्यूजीलैंड की घातक गेंदबाजी से रहना होगा सावधान

दूसरी ओर न्यूजीलैंड की टीम का सबसे मजबूत पक्ष उसकी गेंदबाजी रही है। मैट हेनरी और लॉकी फर्ग्यूसन की तेज गेंदबाजी ने विपक्षी बल्लेबाजों को काफी परेशान किया है। कप्तान मिचेल सैंटनर ने किफायती गेंदबाजी करते हुए रन गति पर लगाम लगाई है, जबकि रचिन रविंद्र ने स्पिन विभाग में विकेट निकालकर टीम को बड़ी सफलता दिलाई है। रचिन इस टूर्नामेंट में न्यूजीलैंड के लिए सबसे ज्यादा 11 विकेट ले चुके हैं। न्यूजीलैंड की बल्लेबाजी में टॉप ऑर्डर ने शानदार प्रदर्शन किया है। टिम सीफर्ट ने सात मैचों में 161 के स्ट्राइक रेट से 274 रन बनाए हैं, जबकि फिन एलन 203 के स्ट्राइक रेट से 289 रन ठोक चुके हैं। एलन ने सेमीफाइनल में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 33 गेंदों में शतक लगाकर अपनी विस्फोटक क्षमता का नमूना भी पेश किया था। ग्लेन फिलिप्स ने भी नंबर चार पर अहम पारियां खेली हैं। हालांकि, कीवी टीम के मध्यक्रम ने खास प्रभावित नहीं किया है।

08 Mar -26 page 8 07-03-2026 22:11 Page 1

गाजियाबाद नगर निगम
Ghaziabad Nagar Nigam
(ISO 9001, 14001 व 18001 प्रमाणित संस्था)
गाजियाबाद विकास प्राधिकरण
GHAZIABAD DEVELOPMENT AUTHORITY
غازی آباد ڈویلپمنٹ اتھارٹی

डा. रामअवतार जिंदल का जन्मदिन मना संत आशीर्वचन के साथ

गाजियाबाद, करंट क्राइम। शिक्षाविद , समाजसेवी तथा वरिष्ठ भाजपा नेता डा. रामअवतार जिंदल का जन्मदिन संत समागम समारोह में धूमधाम के साथ मनाया गया। हिन्दी भवन में आयोजित श्रीभक्तमाल कथा महोत्सव में पूर्णतः भक्तिमय वातावरण के बीच संतो के आशीर्वचन के साथ डा. रामअवतार जिंदल ने अपना जन्मदिन पूर्णतः आध्यात्मिक रीती के साथ मनाया। समाज के गणमान्य लोग जन्मदिन समारोह में पहुंचे और रामअवतार जिंदल की लम्बी आयु, उत्तम स्वाथ्य की कामना करते हुए उन्हें शुभकमनायें दीं। डा.रामअवतार जिंदल ने सभी सम्मानित अतिथियों का शिक्षाविद डा. रामअवतार जिंदल ने आभार व्यक्त किया।

स्वाट टीम व वेव सिटी पुलिस ने तीन बदमाश दबोचे

लूट और छिनैती में थे शामिल

गाजियाबाद, करंट क्राइम । पुलिस कमिश्नरेट की स्वाट टीम नगर जोन और थाना वेव सिटी पुलिस ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए लूट, छिनैती और वाहन चोरी की घटनाओं में शामिल तीन शातिर बदमाशों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से लूटी गई टाटा नेक्सॉन कार, चोरी की मोटरसाइकिल, एक जोड़ी कुंडल और 315 बोर का देशी तमंचा मय दो जिंदा कारतूस बरामद किए हैं।

पुलिस के अनुसार हाल के दिनों में वेव सिटी थाना क्षेत्र में कुंडल छिनैती, मोटरसाइकिल चोरी और कार लूट की तीन घटनाएं सामने आई थीं। शनिवार को बम्हेटा गिरधरपुर मार्ग पर चेकिंग के दौरान पुलिस ने राज राजपूत (23), दर्शन (21) और अजय (20) को गिरफ्तार कर लिया गया है। पूछताछ में आरोपियों ने मेरठ-दिल्ली एक्सप्रेसवे के पास कार लूट, गुर्जरगढ़ी में महिला से कुंडल छीनने और लालकुआं क्षेत्र से मोटरसाइकिल चोरी की वारदात कबूल की है।

एसीपी वेव सिटी प्रियाश्री पाल ने बताया कि आरोपियों के खिलाफ पहले से भी आपराधिक मामले दर्ज हैं और उनके अन्य साथियों की तलाश की जा रही है।

एपीके फाइल भेजकर खाते से साफ किए 4.53 लाख रुपये

गाजियाबाद । साइबर ठगों ने ई-चालान के नाम पर एपीके फाइल भेजकर वेव सिटी क्षेत्र में रहने वाले एक व्यक्ति के खाते से साढ़े चार लाख रुपये उड़ा लिए। फाइल खोलते ही पीड़ित का मोबाइल हैक हो गया और कुछ ही देर में खाते से कई ट्रांजेक्शन कर रकम निकाल ली गई। मामले में वेव सिटी थाने की साइबर सेल जांच कर रही है। वेव सिटी सेक्टर-दो निवासी राजेंद्र चौधरी ने बताया कि 27 फरवरी को उनके व्हाट्सएप नंबर पर एक अनजान नंबर से आरटीओ चालान नाम की एपीके फाइल आई। फाइल के साथ संदेश लिखा था कि उनका ई-चालान बकाया है और जल्द भुगतान न करने जैसे ही उन्होंने फाइल खोली, उनका मोबाइल हैक हो गया। कुछ देर बाद बैंक से ट्रांजेक्शन के लगातार संदेश आने लगे।

गोल्डन व्यू रिजॉर्ट में कश्यप-निषाद संगठन का राष्ट्रीय अधिवेशन रहा भव्य, समाज की एकता और अधिकारों पर बना बड़ा रोडमैप

देशभर से पहुंचे पदाधिकारी और समाज के प्रतिनिधि, मंत्री नरेंद्र कश्यप ने दिया संगठन और स्वाभिमान का संदेश

- समाज को अनुसूचित जाति में शामिल कराने की रणनीति पर मंथन, 5 अप्रैल को गाजियाबाद में होगा ऐतिहासिक महासम्मेलन

गाजियाबाद, करंट क्राइम। राजनगर एक्सटेंशन स्थित गोल्डन व्यू रिजॉर्ट में कश्यप-निषाद संगठन का राष्ट्रीय अधिवेशन शनिवार को भव्य और उत्साहपूर्ण माहौल में संपन्न हुआ। इस महत्वपूर्ण कार्यक्रम में देश के विभिन्न राज्यों और जिलों से संगठन के पदाधिकारी, समाज के प्रतिनिधि, वरिष्ठजन, महिलाएं और युवा बड़ी संख्या में शामिल हुए। अधिवेशन में समाज की एकता, संगठन के विस्तार, सामाजिक अधिकारों और भविष्य की रणनीति को लेकर व्यापक चर्चा और मंथन किया गया।

कार्यक्रम के दौरान समाज को संगठित कर उसके अधिकारों को मजबूत करने, युवाओं को शिक्षा के प्रति जागरूक करने और समाज के गौरवशाली इतिहास को नई पहचान दिलाने जैसे कई महत्वपूर्ण विषयों पर विचार-विमर्श किया गया। अधिवेशन में बड़ी संख्या में पहुंचे समाज के लोगों की मौजूदगी ने यह संकेत दिया कि कश्यप-निषाद समाज अब तेजी से संगठित होकर अपने अधिकारों और सम्मान के प्रति जागरूक हो रहा है। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उत्तर प्रदेश सरकार में पिछड़ा वर्ग कल्याण एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग के राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) तथा कश्यप-निषाद संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष नरेंद्र कश्यप ने समाज को एकजुट होकर आगे बढ़ने का आह्वान किया।

समाज की सेवा और अधिकारों की रक्षा के लिए समर्पित है जीवन – नरेंद्र कश्यप

करंट क्राइम। उत्तर प्रदेश सरकार में राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) तथा कश्यप-निषाद संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष नरेंद्र कश्यप ने कहा कि उनका पूरा जीवन कश्यप-निषाद समाज की सेवा और उसके अधिकारों की रक्षा के लिए समर्पित है। उन्होंने कहा कि समाज ने उन्हें जो सम्मान और पहचान दी है, उसके लिए वह सदैव समाज के आभारी रहेंगे। जब भी समाज को उनकी आवश्यकता होगी, वह हमेशा समाज के साथ खड़े मिलेंगे। उन्होंने कहा कि कश्यप-निषाद समाज की जड़ें भारत की प्राचीन ऋषि परंपरा और सनातन संस्कृति से जुड़ी हुई हैं। महर्षि कश्यप केवल एक महान ऋषि ही नहीं बल्कि मानव समाज को दिशा देने वाले महान मार्गदर्शक रहे हैं। समाज के लोगों को अपने गौरवशाली इतिहास को समझते हुए

अनुसूचित जाति में शामिल कराने की रणनीति पर चर्चा

करंट क्राइम। राष्ट्रीय अधिवेशन में समाज को अनुसूचित जाति की श्रेणी में शामिल कराने के मुद्दे पर भी गंभीरता से मंथन किया गया। संगठन के पदाधिकारियों ने कहा कि यदि कश्यप-निषाद समाज को अनुसूचित जाति का दर्जा मिलता है तो समाज के लोगों को शिक्षा, रोजगार और सामाजिक सुरक्षा के क्षेत्र में अधिक अवसर प्राप्त होंगे। इसके लिए सरकार तक अपनी बात प्रभावी तरीके से पहुंचाने और समाज को संगठित करने की रणनीति पर भी चर्चा की गई।

देशभर से आए प्रतिनिधियों ने रखे विचार

करंट क्राइम। अधिवेशन में उत्तर प्रदेश, हरियाणा, दिल्ली, उत्तराखंड, पंजाब, चंडीगढ़, मध्यप्रदेश और राजस्थान सहित विभिन्न राज्यों से आए संगठन के पदाधिकारियों, समाज के वरिष्ठजनों, महिलाओं और युवाओं ने भी अपने विचार व्यक्त किए। वक्ताओं ने कहा कि समाज की तरक्की के लिए शिक्षा सबसे बड़ा माध्यम है और युवाओं को शिक्षा तथा प्रतियोगी परीक्षाओं की ओर आगे बढ़ना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि संगठन की मजबूती से ही समाज की आवाज मजबूत होती है और जब समाज एकजुट होकर आगे बढ़ता है तो उसे उसका अधिकार और सम्मान भी मिलता है।

शिक्षा, संगठन और स्वाभिमान से मजबूत होगा समाज : नरेंद्र कश्यप

करंट क्राइम। नरेंद्र कश्यप ने कहा कि किसी भी समाज की प्रगति के लिए तीन चीजें सबसे अधिक महत्वपूर्ण होती हैं–शिक्षा, संगठन और स्वाभिमान।

यदि समाज इन तीनों को मजबूत करता है तो वह हर क्षेत्र में आगे बढ़ सकता है और उसकी आवाज को कोई भी दबा नहीं सकता। उन्होंने कहा कि कश्यप-निषाद समाज ने जल, जंगल और जमीन की रक्षा में ऐतिहासिक भूमिका निभाई है और देश की सेवा में हमेशा अग्रणी रहा है। इसके बावजूद समाज को लंबे समय तक अपने अधिकारों और सम्मान के लिए संघर्ष करना पड़ा। अब समय आ गया है कि समाज पूरी मजबूती और एकजुटता के साथ अपने अधिकारों के लिए आगे आए।

उत्साह और ऊर्जा से भरा रहा पूरा कार्यक्रम

करंट क्राइम। पूरे अधिवेशन के दौरान परिसर में उत्साह और ऊर्जा का माहौल देखने को मिला। बड़ी संख्या में पहुंचे समाज के लोगों ने कार्यक्रम को ऐतिहासिक और सफल बताया। लोगों का कहना था कि इस तरह के आयोजन समाज को नई दिशा देने का काम करते हैं और समाज के लोगों को एक मंच पर लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। कार्यक्रम में मुख्य रूप से राज्यसभा सांसद बाबूराम निषाद, मध्यप्रदेश में दर्जा राज्यमंत्री सीताराम बाथम, कासगंज जिला पंचायत अध्यक्ष बॉबी कश्यप, हरियाणा व्यापार प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष सरपंच रणबीर कश्यप, राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष ओमप्रकाश कश्यप, जिलाध्यक्ष जीतपाल कश्यप, प्रदेश महासचिव रवि कश्यप, राष्ट्रीय महासचिव राम कुमार कश्यप, राजबीर कश्यप, वेद कश्यप, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष रामदास कश्यप, राष्ट्रीय सचिव जगदीश कश्यप, विजेन्द्र कश्यप (सहारनपुर), नंदलाल बाथम (प्रदेश अध्यक्ष) सहित बड़ी संख्या में पदाधिकारी और समाज के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

गाजियाबाद में महर्षि कश्यप के नाम पर पार्क और प्रतिमा से मिलेगा सम्मान – नरेंद्र कश्यप

करंट क्राइम। नरेंद्र कश्यप ने बताया कि समाज के महापुरुषों को सम्मान दिलाने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि मुजफ्फरनगर जिले के जानसठ क्षेत्र में महर्षि कश्यप का भव्य स्मारक बनवाया गया है, जिस पर एक करोड़ रुपये से अधिक की लागत आई है। यह स्मारक समाज के गौरव और इतिहास का प्रतीक है। उन्होंने बताया कि गाजियाबाद में भी महर्षि कश्यप के नाम पर लगभग 1 करोड़ 38 लाख रुपये की लागत से पार्क का सौंदर्यीकरण और विशाल प्रतिमा स्थापित करने का कार्य कराया जा रहा है। इससे समाज के इतिहास और महापुरुषों को नई पहचान मिलेगी और नई पीढ़ी को प्रेरणा मिलेगी।

अप्रैल में गाजियाबाद में होगा विशाल महासम्मेलन

करंट क्राइम। अधिवेशन के दौरान अप्रैल महीने में प्रस्तावित महर्षि कश्यप महासम्मेलन की तैयारियों को लेकर भी विस्तृत चर्चा हुई। बताया गया कि 5 अप्रैल को गाजियाबाद में राष्ट्रीय स्तर का विशाल महासम्मेलन आयोजित किया जाएगा, जिसमें देशभर से समाज के हजारों लोग भाग लेंगे। इसे ऐतिहासिक बनाने के लिए विभिन्न राज्यों और जिलों के पदाधिकारियों से सुझाव लिए जा रहे हैं।

शिष्टाचार भेंट

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। गोविन्दपुरम गौर होम्स सोसाइटी, आरडब्लूए फेडरेशन के अध्यक्ष अतुल त्यागी ने पूर्व राज्यसभा सांसद अनिल अग्रवाल से शिष्टाचार भेंट की। इस मौके पर उन्होंने सोसाइटी की विकासात्मक गतिविधियों से उनको अवगत कराया।

महिला दिवस पर माइक्रोमेटिक ग्राइंडिंग में कार्यक्रम, एसीपी प्रिया श्री पाल रहीं मुख्य अतिथि

गाजियाबाद करंट क्राइम। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर माइक्रोमेटिक ग्राइंडिंग प्राइवेट लिमिटेड में कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत दीप प्रज्वलन से हुई। मुख्य अतिथि एसीपी प्रिया श्री पाल का जया जी ने पुष्पगुच्छ देकर स्वागत किया।

एसीपी प्रिया श्री पाल ने युवाओं को प्रेरित करते हुए इंजीनियरिंग क्षेत्र में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने का आह्वान किया। श्री महाजन ने कंपनी के लक्ष्यों और शिक्षा व पर्यावरण संरक्षण के प्रयासों की जानकारी दी।

वीसी कपिल ढांढ ने संस्था के बारे में बताया। आरसीसी कॉलेज की प्राचार्या नीतू चावला और मिस मुकर्जी ने नारी सशक्तिकरण पर विचार रखे।

अंत में सीएचआरओ रिद्धिमा बजाज ने धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. वीणा शर्मा ने किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में शुचि उपाध्याय और कुणाल रात्रा का विशेष योगदान रहा।

अभी ठीक से शुरू भी नहीं हुई गर्मी, लेकिन जगह-जगह लग रही आग

बीते एक सप्ताह में कई बड़ी घटनाएं, एक दंपति की भी गई जान

➩ छोटी होली के दिन शहर के एक इलाके की बहुमंजिला इमारत में भीषण आग लगने की घटना खोड़ा थानाक्षेत्र में सामने आई थी

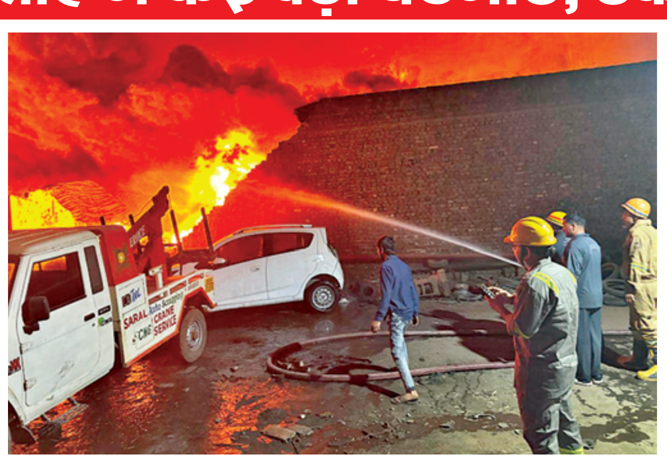

गाजियाबाद, करंट क्राइम। गाजियाबाद में अभी गर्मी की शुरूआत ही हुई है, लेकिन आग लगने की घटनाओं में तेजी से बढ़ोत्तरी देखने को मिल रही है। मार्च के शुरूआती दिनों में ही तापमान 30 से 32 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया है और इसके साथ ही शहर के अलग-अलग इलाकों से आग लगने की कई बड़ी घटनाएं सामने आई हैं। बीते करीब एक सप्ताह के दौरान कमिश्नरेट में आग लगने के दो दर्जन से अधिक मामलों की सूचना दमकल विभाग को मिली, जिनमें कई जगहों पर कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया।

हाल ही में छोटी होली के दिन शहर के एक इलाके की बहुमंजिला इमारत में भीषण आग लगने की घटना खोड़ा थानाक्षेत्र में सामने आई थी। इस दर्दनाक हादसे में एक दंपति की जान चली गई, जिससे पूरे इलाके में शोक की लहर दौड़ गई। इसके अलावा राजनगर एक्सटेंशन स्थित एक पेंट फैक्ट्री में भी भीषण आग लग गई थी, जिसे बुझाने के लिए दमकल विभाग की कई गाड़ियों को मौके पर भेजना पड़ा।

50 स्थानों पर भेजी गई गाड़ियां

करंट क्राइम : वहीं साहिबाबाद इंडस्ट्रियल एरिया में भी एक औद्योगिक इकाई में लगी आग ने काफी नुकसान पहुंचाया। दमकल विभाग की टीमों ने कई घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। दूसरी ओर भोपुरा इलाके में कबाड़ के एक गोदाम में लगी आग से लाखों रुपये का सामान जलकर राख हो गया। दमकल विभाग के अनुसार, बीते करीब एक सप्ताह के दौरान राजनगर एक्सटेंशन, साहिबाबाद इंडस्ट्रियल एरिया, भोपुरा, इंदिरापुरम, वैशाली, विजय नगर, कविनगर और आसपास के अन्य इलाकों से भी आग लगने की घटनाओं की सूचनाएं मिलीं। इन घटनाओं में दमकल विभाग की करीब 50 से अधिक गाड़ियों को अलग-अलग स्थानों पर आग बुझाने के लिए भेजा गया। अधिकांश मामलों में शुरूआती जांच में आग लगने का कारण शॉर्ट सर्किट सामने आया है।

लगातार चलाए जा रहे हैं आग से बचाव के जागरूकता कार्यक्रम

करंट क्राइम : मुख्य अग्निशमन अधिकारी गाजियाबाद राहुल पाल ने बताया कि डीजी फायर सर्विसेज के निर्देश पर गाजियाबाद में लगातार आग से बचाव और जागरूकता कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं। इसके तहत सोसायटियों, स्कूल-कॉलेजों, मॉल और सार्वजनिक स्थानों पर लोगों को आग से बचाव के प्राथमिक उपायों की जानकारी दी जा रही है। इसके अलावा सोसायटियों और संस्थानों में तैनात सुरक्षा कर्मियों को विशेष प्रशिक्षण भी दिया जा रहा है, ताकि किसी भी आपात स्थिति में वे तुरंत कार्रवाई कर सकें और लोगों की जान बचाने के साथ-साथ नुकसान को भी कम किया जा सके। इस अभियान के तहत अब तक दर्जनों स्थानों पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जा चुके हैं और सैकड़ों लोगों को ट्रेनिंग दी जा चुकी है।

यूपी के लाखों पुलिसकर्मियों की वर्दी को लेकर डीजीपी ऑफिस से जारी हुआ ये आदेश, होगा ये बदलाव

प्रतीकात्मक तस्वीर

गाजियाबाद करंट क्राइम। उत्तर प्रदेश पुलिस में तैनात लाखों पुलिसकर्मियों की वर्दी को लेकर शनिवार को एक बड़ा आदेश जारी हुआ है। पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) कार्यालय की ओर से जारी इस आदेश में कहा गया है कि ऋतु परिवर्तन को ध्यान में रखते हुए नौ मार्च से यूपी पुलिस के सभी अधिकारी और कर्मचारीगण दिन के समय ग्रीष्मकालीन वर्दी और रात के समय आवश्यकतानुसार और स्थानीय मौसम की स्थिति के अनुसार शीतकालीन वर्दी पहन सकते हैं। जबकि 22 मार्च से दिन और रात दोनों समय ग्रीष्मकालीन वर्दी पहनी जाएगी।

पुलिस महानिदेशक के जनरल स्टॉफ अफसर पुलिस महानिरीक्षक केएस इमैन्युअल के हस्ताक्षर से जारी इस आदेश में कहा गया है कि इस आदेश के क्रम में पूरे प्रदेश में संबंधित अधिकारियों द्वारा वर्दी परिवर्तन के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए जाएंगे और इस निर्देश का कड़ाई से अनुपालन किया जाएगा।

इनको भेजी गई है आदेश की प्रति

ग्रीष्मकालीन वर्दी पहनने के इस आदेश की प्रति यूपी के सभी अपर पुलिस महानिदेशक और समस्त जोनल अपर पुलिस महानिदेशक को जारी की गई है। सभी पुलिस आयुक्तों, समस्त पुलिस महानिरीक्षक और परिक्षेत्रीय पुलिस महानिरीक्षक, समस्त पुलिस उप महानिरीक्षक और परिक्षेत्रीय पुलिस उप महानिदेशक, सभी वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, पुलिस अधीक्षक और समस्त सेनानायक को इस आदेश की प्रति भेजी गई है।

मौसम के अनुसार जारी होते हैं आदेश

उत्तर प्रदेश पुलिस की वर्दी को लेकर मौसम के अनुसार आदेश जारी किए जाते हैं। इस संबंध में डीजीपी मुख्यालय द्वारा आदेश जारी किए जाते हैं। जाड़े के दिनों में पहले रात की ड्यूटी, फिर दिन-रात की ड्यूटी के दौरान गर्म वर्दी (शीतकालीन) पहनना अनिवार्य होता है। वहीं गर्मी में मौसम को देखते हुए स्वास्थ्य, सुरक्षा को देखते हुए पुलिसकर्मियों के लिए ग्रीष्मकालीन वर्दी के आदेश जारी किए जाते हैं। मौसम के हिसाब से समय-समय पर जारी होने वाले इन आदेशों के अनुसार ही यूपी भर में पुलिसकर्मी वर्दी धारण करते हैं।

08 Mar -26 page 9 07-03-2026 21:58 Page 1

'शानदार सांसद और बेहतरीन लोकसभा अध्यक्ष', जानें पीएम मोदी ने क्यों की ओम बिरला की तारीफ

नई दिल्ली। संसद के बजट सत्र के दूसरे चरण की शुरूआत सोमवार, 9 मार्च से होगी। इसी दिन लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को पद से हटाने के विपक्ष के प्रस्ताव पर चर्चा होगी। बिरला इस दौरान कार्यवाही की अध्यक्षता नहीं करेंगे बल्कि अन्य सांसदों के साथ बैठेंगे। हालांकि बिरला को अपना बचाव करने का अधिकार होगा, साथ ही वह प्रस्ताव पर होने वाले मतदान में भी शामिल हो सकेंगे।

वहीं पीएम मोदी ने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला की एक कार्यक्रम में जमकर तारीफ की है। वहीं पीएम मोदी ने एक्स पर एक पोस्ट में लिखा- ओम बिरला जी जितने शानदार सांसद हैं, उतने ही बेहतरीन लोकसभा अध्यक्ष भी हैं। यह शिक्षा की नगरी से आने का ही प्रभाव है कि वे सदन में एक अच्छे मुखिया की तरह सबको साथ लेकर चलते हैं। वे पक्ष-विपक्ष से ऊपर उठकर सभी सांसदों के प्रति अत्यधिक सम्मान का भाव रखते हैं।

प्रधानमंत्री ने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को एक उत्कृष्ट वक्ता और सांसद बताया, जो संविधान और संसदीय प्रणालियों के प्रति समर्पित हैं। उन्होंने सदन के संचालन में ओम बिरला की क्षमता की प्रशंसा की, जो पार्टी की सीमाओं से परे जाकर काम करते हैं। प्रधानमंत्री ने सदन में सभी सांसदों के प्रति ओम बिरला के सम्मान और उनकी नेतृत्व शैली पर भी प्रकाश डाला। प्रधानमंत्री ने कहा कि बिरला तब भी शांत रहते हैं जब 'उच्च वर्गीय परिवारों के कुछ अहंकारी, बिगड़े हुए बच्चे आते हैं और अपनी उद्दंड आदतों को छोड़ने से इनकार करते हैं।'

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की यह टिप्पणी लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के खिलाफ लाए गए अविश्वास प्रस्ताव के बाद आई है, जिस पर 118 सांसदों के हस्ताक्षर थे। बजट सत्र का दूसरा चरण 9 मार्च से शुरू होगा, जहां तीन कांग्रेस सांसदों द्वारा विपक्ष के नेता राहुल गांधी और अन्य विपक्षी नेताओं को सदन में बोलने से रोकने के आरोपों पर लोकसभा अध्यक्ष को हटाने की मांग करने वाले प्रस्ताव को पेश किए जाने की उम्मीद है। तीन कांग्रेस सांसदों, मोहम्मद जावेद, कोडिकुन्निल सुरेश और मल्लूर रवि ने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला पर पक्षपाती होने और विपक्ष से संबंधित महिला सांसदों के खिलाफ अनुचित आरोप लगाने का आरोप लगाया है। इस बीच, सत्ताधारी भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और विपक्षी कांग्रेस दोनों ने अपने लोकसभा सांसदों को एक 'तीन-लाइन व्हिप' जारी किया है, जिसमें उनसे 9 से 11 मार्च तक सदन में उपस्थित रहने की अपेक्षा की गई है।

'कोटा एयरपोर्ट के विकास में ओम बिरला के अथक प्रयास'

एक वीडियो संदेश में, प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, 'मैं इस महत्वपूर्ण परियोजना के लिए कोटा के सांसद ओम बिरला के निरंतर प्रयासों की भी सराहना करना चाहता हूं। उनका प्रयास हमेशा कोटा के लोगों के जीवन को बेहतर बनाने और उन्हें नए अवसर प्रदान करने का रहा है। चाहे वह हवाई अड्डा हो, नया आईआईआईटी परिसर हो, या सड़कों का विस्तार हो, उन्होंने कोटा के विकास के लिए सेवा की भावना से काम किया है। उन्हीं के प्रयासों से कोटा और पूरे क्षेत्र के विकास को नई गति मिल रही है।'

गाजियाबाद की बेटियों ने दिल्ली में जाना विज्ञान और रेल का इतिहास, क्विज में जीते पुरस्कार

गाजियाबाद, करंट क्राइम। जनपद के चारों ब्लॉक (रजापुर, लोनी, भोजपुर और मुरादनगर) के कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालयों की छात्राओं ने शनिवार को दिल्ली का शैक्षणिक भ्रमण किया।

जिला प्रशासन और शिक्षा विभाग द्वारा आयोजित इस 'एक्सपोजर विजिट' का उद्देश्य बालिकाओं को विज्ञान और इतिहास से रूबरू कराना था।

विज्ञान भवनः छात्राओं ने आधुनिक नवाचारों को समझा और आयोजित क्विज प्रतियोगिता में अपनी प्रतिभा के दम पर पुरस्कार जीते।

नेशनल रेल म्यूजियमः यहाँ बालिकाओं ने भारतीय रेल के गौरवशाली इतिहास और पुराने इंजनों के सफर के बारे में जानकारी प्राप्त की।

नेतृत्वः भ्रमण का सफल संचालन जिला समन्वयक (बालिका शिक्षा) कुणाल मुद्गल और प्रधानाचार्य राकेश कुमार के नेतृत्व में हुआ।

अधिकारियों के अनुसार, इस तरह के कार्यक्रमों से बेटियों का आत्मविश्वास बढ़ता है और उनका दृष्टिकोण व्यापक होता है। शाम को सभी छात्राएं नए अनुभवों और जीत के उत्साह के साथ वापस गाजियाबाद लौटीं।

गाजियाबाद में जिज्ञासा की अखिल भारतीय बैठक का शुभारंभ

- अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के आयाम जिज्ञासा की दो दिवसीय बैठक कैलाश मानसरोवर भवन में शुरू, देशभर से पहुंचे प्रतिनिधि

गाजियाबाद, करंट क्राइम। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के आयाम जिज्ञासा की दो दिवसीय अखिल भारतीय बैठक का शुभारंभ शनिवार को गाजियाबाद स्थित कैलाश मानसरोवर भवन में हुआ। बैठक की शुरूआत स्वामी विवेकानंद और सरस्वती माता के चित्र के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन के साथ की गई। कार्यक्रम का शुभारंभ राष्ट्रीय सह संगठन मंत्री एस. बालकृष्ण, जिज्ञासा के राष्ट्रीय सह संयोजक डॉ. विशाल राव और राष्ट्रीय सह संयोजिका कुं. शाम्भवी शुक्ला ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्ज्वलित कर किया।

बैठक के दौरान राष्ट्रीय सह संयोजक डॉ. संदीप ने जिज्ञासा आयाम के उद्देश्यों और कार्यों की जानकारी देते हुए बताया कि यह अभाविप का एक महत्वपूर्ण आयाम है, जिसका उद्देश्य आयुष क्षेत्र के विद्यार्थियों के बीच कार्य करना है।

उन्होंने बताया कि जिज्ञासा का मोटो 'लर्न आयुष टू प्रैक्टिस आयुष' है। इस आयाम के माध्यम से आयुष विद्यार्थियों के लिए वर्कशॉप, सेमिनार और इंटर्नशिप जैसे कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं, साथ ही विद्यार्थियों की समस्याओं को सुनकर उनके समाधान के लिए भी प्रयास किए जाते हैं।

दो दिवसीय इस बैठक में देश के विभिन्न प्रांतों से जिज्ञासा आयाम के प्रतिनिधि शामिल हुए हैं। बैठक का मुख्य उद्देश्य आयुष विद्यार्थियों की समस्याओं को समझना, उन पर व्यापक मंथन करना और उनके समाधान के लिए ठोस दिशा में कार्य करना है, ताकि आयुष विभाग को और अधिक सशक्त बनाया जा सके। बैठक के दौरान जिज्ञासा आयाम की आगामी योजनाओं, जिज्ञासा अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन, आरोग्य फेयर सहित कई महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की जाएगी। साथ ही इंटीग्रेशन ऑफ मेडिसिन के विषय पर विशेष रूप से विचार-विमर्श कर बैठक को सार्थक दिशा देने का प्रयास किया जाएगा।

कार्यक्रम में मुख्य रूप से एस. बालकृष्ण, रविशंकर, डॉ. राजेश कल्याण, डॉ. त्रिशाल राव, डॉ. शाम्भवी शुक्ला, विपिन गुप्ता, तरुण सिंह, अनुज श्रीवास्तव और डॉ. घनश्याम वत्स सहित विभिन्न पदाधिकारी उपस्थित रहे।

शिक्षा के क्षेत्र में नई मशाल जला रहीं डॉ. अराश प्रीत

साहिबाबाद (करंट क्राइम)। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के गाज़ियाबाद की बेटी डॉ. अराश प्रीत की, जो अंतरराष्ट्रीय शिक्षा के फलक पर अपने ज्ञान और समर्पण से भारत का मान बढ़ा रही हैं। डॉ. अराश प्रीत, एयरफोर्स स्टेशन हिंडन के पूर्व जनसंपर्क अधिकारी, ग्रुप कैप्टन जी. एस. वोहरा की सुपुत्री हैं। उनकी यह यात्रा नारी शक्ति के उस स्वरूप को दशार्ती है जहाँ बौद्धिक क्षमता और संवेदनशीलता का अद्भुत संगम मिलता है। बायोटेक्नोलॉजी में गोल्ड मेडलिस्ट। 'ग्रीन एजुकेशन' में मानद डॉक्टरेट की उपाधि। पिछले एक दशक से अधिक समय से 'इंटरनेशनल बैकलॉरिएट' शिक्षिका और परीक्षक के रूप में वैश्विक पहचान। डॉ. अराश प्रीत का मानना है कि शिक्षा केवल किताबों तक सीमित नहीं होनी चाहिए। एक आईबी शिक्षिका के तौर पर वे विज्ञान, सतत विकास और समालोचनात्मक सोच को प्राथमिकता देती हैं। उनका लक्ष्य ऐसे 'वैश्विक नागरिक' तैयार करना है जो न केवल बुद्धिमान हों, बल्कि समाज के प्रति जिम्मेदार और संवेदनशील भी हों।

'वैज्ञानिक अनुसंधान से लेकर शिक्षा की दुनिया तक का उनका सफर दृढ़ता और समर्पण की एक मिसाल है। वे आज की युवतियों के लिए एक रोल मॉडल हैं, जो यह साबित करती हैं कि शिक्षा के माध्यम से एक जागरूक और सतत भविष्य का निर्माण किया जा सकता है। इस महिला दिवस पर, डॉ. अराश प्रीत जैसी सशक्त और दूरदर्शी महिलाओं को हमारा सलाम, जो अपनी मेहनत से आने वाली पीढ़ी का मार्ग प्रशस्त कर रही हैं।

सीएम ममता बनर्जी की हुंकार

धरने के दूसरे दिन कहा- दिल्ली की सरकार दया पर टिकी, ज्यादा दबाव डाला तो गिरा दूंगी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने अपने धरना कार्यक्रम के दूसरे दिन केंद्र सरकार और भाजपा पर तीखा हमला बोलते हुए कड़ी चेतावनी दी। उन्होंने कहा कि अगर ज्यादा दबाव बनाया गया तो वह दिल्ली की सरकार भी गिरा सकती हैं। उन्होंने कहा, मैं जानती हूं चंद्रबाबू नायडू की दया पर तुम्हारी सरकार बनी हुई है। कोलकाता में जारी धरना मंच से मुख्यमंत्री ने कहा कि भाजपा को सावधान रहना चाहिए, क्योंकि बंगाल की जनता को कमजोर समझने की भूल नहीं करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि व्होट काटकर बंगाल को बांटने की कोशिश पहले भी की गई, लेकिन यह सफल नहीं हो सकी। बंगाल लड़ना जानता है और यहां के लोग लोकतंत्र की रक्षा करना भी जानते हैं। मुख्यमंत्री ने राज्यपाल के मुद्दे को लेकर भी संकेतात्मक टिप्पणी की। उन्होंने कहा कि वह सब कुछ जानती हैं कि राज्यपाल को क्यों हटाया गया, लेकिन फिलहाल इस पर ज्यादा कुछ नहीं कहेंगी।

सीबीएसई स्कूलों में किताबों की मनमानी को लेकर कांग्रेस का विरोध प्रदर्शन

एनसीईआरटी की किताबें लागू हों : सुनील शर्मा

मोदीनगर, करंट क्राइम। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने तहसील परिसर में प्रदर्शन किया और उपजिलाधिकारी को एक ज्ञापन सौंपा। कांग्रेस ने सीबीएसई से संबद्ध स्कूलों में निजी पब्लिकेशन की महंगी किताबें थोपने का आरोप लगाते हुए केवल एनसीईआरटी की किताबें लागू करने की मांग की।

ज्ञापन में कहा गया कि मोदीनगर क्षेत्र के कई सीबीएसई स्कूलों में नर्सरी से 12वीं कक्षा तक निजी पब्लिकेशन की महंगी किताबें अनिवार्य की जा रही हैं। कुछ स्कूल पूरी तरह से निजी किताबें लागू करते हैं, जबकि अन्य एनसीईआरटी और निजी किताबों का मिश्रण इस्तेमाल करते हैं। कांग्रेस का आरोप है कि यह अभिभावकों पर अनावश्यक आर्थिक बोझ डाल रहा है और शिक्षा की एकरूपता को बाधित कर रहा है, जिससे छात्र भ्रमित हो रहे हैं। खासकर जब 10वीं और 12वीं का पाठ्यक्रम एनसीईआरटी पर आधारित है। कांग्रेस नेता सुनील शर्मा ने बताया कि सीबीएसई के संबद्धता नियमों और सर्कुलर के अनुसार, नर्सरी से 12वीं कक्षा तक मुख्य पाठ्य पुस्तकें एनसीईआरटी या एससीईआरटी की होनी अनिवार्य हैं, जहाँ वे उपलब्ध हों। उन्होंने दावा किया कि निजी स्कूलों का यह कृत्य आरटीआई अधिनियम 2009 और उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम 2019 का भी उल्लंघन है।

कांग्रेस ने मांग की है कि मोदीनगर तहसील के सभी सीबीएसई स्कूलों में 2026-27 सत्र में नर्सरी से 12वीं कक्षा तक केवल एनसीईआरटी की किताबें सख्ती से अनिवार्य की जाएं और निजी किताबों पर पूर्ण प्रतिबंध लगाया जाए। इस अवसर पर चांद वीर चैधरी, श्रीमती कल्पना सिंह, पवनदेव कोरी और भिखारी लाल कश्यप सहित अन्य कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद थे।

टीवीके के चुनावी वादेः विजय का एलान- महिलाओं को 60 साल तक हर माह 2500, शादी के लिए 8 ग्राम सोना और रेशमी साड़ी

तमिलनाडु। तमिलनाडु में अगले कुछ हफ्ते में विधानसभा चुनाव का एलान होने वाला है। राजनीतिक जोड़-तोड़ के बीच पार्टियां जनता को लुभाने के लिए बड़े वादे भी कर रही हैं। इसी कड़ी में अभिनेता से राजनेता बने विजय ने आज एक रैली को संबोधित किया। अपनी पार्टी- तमिलागा वेट्री कझगम (टीवीके) के लिए जनसभा को संबोधित करते समय विजय ने कई लोकलुभावन एलान किए। उन्होंने चुनाव में जीत के बाद सरकार बनने पर सरकारी कर्मचारियों को छोड़कर अन्य महिलाओं को 60 वर्ष की आयु तक 2,500 रुपये की मासिक आर्थिक मदद दी जाएगी। टीवीके राज्य के पात्र लाभार्थियों को शादी के लिए 8 ग्राम सोना और रेशमी साड़ी भी देगी।

सरकारी बसों में मुफ्त यात्रा

महिलाओं के लिए सभी सरकारी बसों में मुफ्त यात्रा की सुविधा भी मिलेगी। आपराधिक घटनाओं से सख्ती से निपटने का संकेत देते हुए विजय ने कहा, 'महिलाओं के खिलाफ अपराधों के प्रति टीवीके सरकार जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाएगी।

महिलाओं के खिलाफ अपराध बर्दाश्त नहीं

टीवीके प्रमुख विजय ने कहा कि महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए राज्य की पुलिस में समर्पित यूनिट बनाई जाएगी। उन्होंने 'रानी वेलु नाचियार' इकाई बनाने का भी एलान किया। महिलाओं के खिलाफ अपराध के मामलों का त्वरित निपटारा करने के लिए फास्ट ट्रैक अदालतों की संख्या बढ़ाई जाएगी।

बसों में पैनिक बटन से लेकर आसानी से सैनिटरी पैड मिलने तक कई एलान

विजय ने महिलाओं की सुरक्षा के लिए सार्वजनिक परिवहन में 'स्मार्ट पैनिक बटन' जैसी सुविधा शुरू करने का वादा भी किया। महिला केंद्रित एलानों की झड़ी लगाते हुए विजय ने कहा कि राशन की दुकानों, स्कूलों और कॉलेजों के माध्यम से महिलाओं के लिए मुफ्त सैनिटरी पैड का इंतजाम भी किया जाएगा।

विजय के अन्य प्रमुख एलान :

एक साल में छह मुफ्त कुकिंग गैस सिलेंडर देने का एलान। टीवीके 'अन्नपूर्णी सुपर सिक्स योजना' चलाएगी। जीरो ड्रॉपआउट सुनिश्चित करने के लिए 'कामराजार कालवी उरुथि थित्तम' को प्रति वर्ष 15,000 रुपये की सहायता दी जाएगी। महिला स्वयं सहायता समूहों के लिए 5 लाख रुपये तक के ब्याज मुक्त ऋण का इंतजाम भी किया जाएगा। मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने भी राज्य में बढ़ती राजनीतिक सरगर्मियों के बीच विरोधी दलों पर जमकर हमले बोले। उन्होंने मदुरै में एक रैली के दौरान कहा, अन्नाद्रमुक (एआईएडीएमके) 'विश्वासघात का पर्याय' बन गई है, इसी कारण ओ. पन्नीरसेल्वम ने सी.एन. अन्नादुरई द्वारा स्थापित डीएमके का दामन थामा है। सीएम स्टालिन ने पूर्व पार्टी प्रमुख एम. करुणानिधि द्वारा ओ. पन्नीरसेल्वम को 'असली तमिलियन' कहने का भी स्मरण किया। उन्होंने पन्नीरसेल्वम के डीएमके में शामिल होने पर खुशी व्यक्त करते हुए उन्हें 'हमेशा मुस्कुराने वाले', सुसंस्कृत और वफादार बताया।

ममकूटाथिल की अग्रिम जमानत के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में याचिका, हाईकोर्ट के आदेश को पीड़िता ने दी चुनौती

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट में केरल के पलक्कड़ से निष्कासित कांग्रेस विधायक राहुल ममकूटथिल को दी गई अग्रिम जमानत के खिलाफ याचिका दाखिल की गई है। यह याचिका उस महिला ने दायर की है, जिसने विधायक पर दुष्कर्म और जबरन गर्भपात कराने का आरोप लगाया है। याचिका में केरल हाईकोर्ट के 12 फरवरी के उस आदेश को चुनौती दी गई है, जिसमें विधायक को अग्रिम जमानत दी गई थी।

हाईकोर्ट ने जमानत देते समय कहा था कि जांच एजेंसी यह साबित नहीं कर पाई कि मामले में विधायक की हिरासत में पूछताछ जरूरी है। अदालत ने यह भी कहा था कि शिकायतकर्ता के व्यवहार से पहली नजर में यह लगता है कि दोनों के बीच सहमति से शारीरिक संबंध थे, हालांकि अंतिम फैसला ट्रायल के दौरान ही होगा। अदालत ने विधायक को कुछ शर्तों के साथ राहत दी थी। उन्हें शिकायतकर्ता या गवाहों से संपर्क न करने, सबूतों से छेड़छाड़ न करने, ट्रायल कोर्ट की अनुमति के बिना केरल से बाहर न जाने और अपना पासपोर्ट जमा करने का आदेश दिया गया था।

इससे पहले तिरुवनंतपुरम की सत्र अदालत ने उनकी अग्रिम जमानत याचिका खारिज कर दी थी, जिसके बाद उन्होंने हाईकोर्ट का रुख किया था। विधायक को 6 दिसंबर 2025 से इस मामले में गिरफ्तारी से सुरक्षा मिली हुई है। विधायक के खिलाफ इस तरह के तीन मामले दर्ज हैं। इनमें से दो मामलों में उन्हें गिरफ्तारी से राहत मिल गई, जबकि तीसरे मामले में उन्हें गिरफ्तार किया गया था और करीब दो हफ्ते जेल में रहने के बाद नियमित जमानत मिली थी।

संकट में फंसे ईरान ने क्यों जताया भारत का आभार?

यूएस की बमबारी के बीच युद्धपोत की सुरक्षा पर की बात

ईरान ने अपने युद्धपोत आईआरआईएस लावन को ठहराने के लिए औपचारिक रूप से भारत का आभार व्यक्त किया। भारत ने इस युद्धपोत को कोच्चि बंदरगाह पर तकनीकी और रसद संबंध व्यवस्थाओं के लिए सुरक्षित पनाहगाह प्रदान की है। यह घटना हिंद महासागर में एक अन्य ईरान पोत आईआरआईएस पर हमले के बाद सामने आई है।

नई दिल्ली में ईरान के राजदूत मोहम्मद फतहाली ने कहा, हिंद महासागर के पानी में ईरानी नौसैनिक जहाज आईआरआईएस देना से जुड़ी दुखद घटना के बाद ईरान चालक दल के सदस्यों की स्थिति पर नजर रखे हुए है और इस घटना के विभिन्न पहलुओं की जांच जारी है। गौरतलब है कि अमेरिका ने दावा किया है कि उसकी पनडबुब्बी ने टॉरपीडो से इस आईआरआईएस देना को निशाना बनाया था, जिसके बाद यह जहाज श्रीलंका के गाले के तट से करीब 40 नॉटिकल मील दूर डूब गया।

आईआरआईएस लावन ने इंटरनेशनल फ्लीट रिव्यू 2026 में हिस्सा लिया था और 15-25 फरवरी के बीच हुए बहुराष्ट्रीय नौसैनिक अभ्यास मिलन-2026 के तहत ईरानी नौसेना की तैनाती के हिस्से के रूप में इस क्षेत्र में मौजूद था।

ईरानी राजदूत मोहम्मद फतहाली ने क्या कहा?

आगे मजबूत होते रहेंगे ईरान-भारत संबंधः राजदूत फतहाली

राजदूत फतहाली ने कहा, इस कठिन परिस्थिति में भारतीय अधिकारियों का बेहतरीन तालमेल और सहयोग दोनों देशों के लंबे समय से चले आ रहे दोस्ताना संबंधों को दशार्ता है। उन्होंने भारत सरकार और यहां के लोगों के निरंतर समर्थन और सहयोग के लिए भी धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि ईरान, भारत सरकार और यहां के लोगों के कीमती समर्थन और सहयोग की सराहना करता है। उन्होंने भरोसा जताया कि तेहरान और नई दिल्ली के बीच ऐतिहासिक और रचनात्मक संबंध आगे भी मजबूत होते रहेंगे।

फतहाली ने बताया कि एक अन्य ईरानी युद्धपोत आईआरआईएस लावन जरूरी तकनीकी और लॉजिस्टिक इंतजाम करने के लिए केरल के कोच्चि बंदरगाह पर पहुंचा है। राजदूत ने जहाज को बंदरगाह पर खड़ा करने और उसके चालक दल की मदद करने के लिए भारत सरकार और स्थानीय अधिकारियों का आभार जताया। उन्होंने कहा कि वह इस अवसर पर भारत सरकार और स्थानीय अधिकारियों को धन्यवाद देना चाहते हैं, जिन्होंने मानवीय दृष्टिकोण अपनाते हुए जहाज को बंदरगाह पर खड़ा करने और उसके चालक दल की मदद करने में सहयोग दिया।

इस बीच विदेश मंत्री एस जयशंकर ने रायसीना डायलॉग-2026 में कहा कि यह फैसला पूरी तरह मानवीय आधार पर लिया गया था। उन्होंने कहा कि जहाज और उसका चालक दल अचानक बदली भू-राजनीतिक परिस्थितियों में फंस गए थे। भारत सरकार के सूत्रों के मुताबिक, आईआरआईएस लावन ने इंटरनेशनल फ्लीट रिव्यू 2026 में हिस्सा लिया था और 15-25 फरवरी के बीच हुए बहुराष्ट्रीय नौसैनिक अभ्यास मिलन- 2026 के तहत ईरानी नौसेना की तैनाती के हिस्से के रूप में इस क्षेत्र में मौजूद था। सूत्रों ने बताया कि श्रीलंका के दक्षिण में आईआरआईएस देना की घटना से कुछ दिन पहले ईरान ने भारत से इस जहाज को तत्काल ठहराने का अनुरोध किया था। 28 फरवरी को भारत को यह अनुरोध मिला था, जिसमें बताया गया था कि जहाज में तकनीकी समस्या आ गई है और उसे कोच्चि में खड़ा करना जरूरी है। भारत ने एक मार्च को इस अनुरोध को स्वीकार किया और इसके बाद 4 मार्च को आईआरआईएस लावन कोच्चि बंदरगाह पहुंच गया। फिलहाल जहाज के चालक दल के सदस्य कोच्चि में नौसैनिक सुविधाओं में रह रहे हैं। सूत्रों के मुताबिक, जहाज पर कुल 183 सदस्य हैं, जिन्हें भारतीय नौसेना की सुविधाओं में ठहराया गया है।